वार्तालाप नं. 604 नागपुर ता.24.7.08
Disc.CD No.604, dated 24.7.08 at Nagpur
Part-1

समयः- 07.25 - 09.05

बाबाः- बैठके ही बता दो। हाँ, जी।

जिज्ञासुः- जो भी गीता पाठशाला है उनका कर्तव्य क्या है? घर गृहस्थी में रहते हुये अपना काम धंधा करते हुये गीता पाठशाला के निमित्त बने हुये हो, या वहाँ पर आने, जाने वाले हो सभी गीता पाठशाला पर टाइम टेबल के अनुसार भाई बहनें आते नहीं। इन सभी गीता पाठशाला पर टाइम टेबल कैसा हो इसके बारे में आप बतायें बाबा। जबकि लौकिक स्कूल में भी टाइम टेबल फिक्स होता है यहाँ वैसी बात नज़र नहीं आती है ?

बाबाः- सभी गीता पाठशालाओं में एक जैसा है क्या? अरे, इंडिया में इतनी गीता पाठशालायें हैं सभी में एक जैसा चलता है? नहीं। जो थर्ड क्लास गीता पाठशालायें होंगी उनमें ऐसा चलेगा जैसा बोला। नहीं तो स्कूल में तो टाइम होता है, टाइम पर पढाई होती है। ये कर सकते हैं कि सब स्टुडेण्ट्स मिल करके अपने क्लास का टाइम... कहीं फैक्टरी है, सब एक जैसे स्टुडेण्ट्स हैं तो अपना टाइम समय अनुसार चेंज कर सकते हैं, बना सकते। लेकिन फिर भी टाइम तो एक मुकर्रर होना चाहिए ना। ऐसे थोडेही सारा दिन आते रहें क्लास के स्टुडेण्ट्स तो सारा दिन टीचर पढाई पढाता रहेगा क्या?

Time: 07.25 – 09.05
Baba: You may sit and ask. Yes.
Student: What is the duty of all the *gitapathshalas* (schools of the Gita) that there are? While living in the household, while doing their job... those who have become the instruments for the *gitapathshala*, or those who visit the *gitapathshala*, the brothers and sisters do not come to all the *gitapathshala* as per the time table. Baba, tell us about how should be the time table at all these *gitapathshalas*? The time table is fixed even in the limited schools but such thing is not seen here.
Baba: Is it the same in all the *gitapathshalas*? *Arey*, there are so many *gitapathshalas* in India, do all of them function in the same way? No. The *third class gitapathshalas* will function in the way as you have said. Otherwise in the *school* the *time* [of study] is [fixed]. Study takes place at [fixed] *time*. What you can do is that, all the *students* get together and [fix] their *time* for *class*; suppose there is a *factory* somewhere and all the *students* are similar (there), they can *change*, they can fix their *time* [of class] as per their convenience. Yet, a *time* should be fixed, shouldn't it? It should not be the case that the *students* of the *class* keep coming throughout the day; will the *teacher* continue to teach the whole day?

समयः- 09.10 - 10.15

जिज्ञासुः- बाबा। मिरुवा मौत मलूका शिकार का अर्थ क्या है बाबा?

बाबाः- मिरुवा मौत मलूका शिकार। मलू कहते हैं शिकारी को, मलूक और मिरुवा कहते हैं जानवर को। मिरुवा मौत माने जानवर की तो मौत हो गई तो जानवर को दुःख होगा या

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

सुख होगा? जानवर तो दुःखी हो गया। मरते2 दुःखी हो गया, और शिकारी को, उसको शिकार मिल गया। वो सुखी हो गया। तुम बच्चे तो सारी दुनियां का शिकार करते हो। जितनी भी जानवरों की दुनिया है सब खलास हो जावेगी। और तुमको विश्व की बादशाही मिल जावेगी। तो सच्चे2 मिरुवा मौत मलूका शिकार तो तुम हो।

Time: 09.10 – 10.15
Student: Baba. What is meant by *mirua maut maluka shikaar*?
Baba: *Mirua maut maluka shikaar. Malu, maluk* means the hunter and *mirua* is said for the animal. *Mirua maut* means the animal died, so will it feel pain or will it be happy? The animal became unhappy. It became unhappy while dying and what about the hunter? He got his prey. He became happy. You children hunt the entire world. The entire world of animals will perish. And you will get the emperorship of the world. So, it is you who are '*mirua maut maluka shikaar'* in reality.

समयः- 10.18 - 10.50
जिज्ञासुः- बाबा। मुझे बार2 ऐसा क्यों लगता है कि शिवधाम में सेंटर खुलेगा और बाबा आवेंगे और बाबा के साथ मुझे ईश्वरीय सेवा करनी है विश्व कल्याण के लिये?
बाबाः- अच्छा संकल्प है। ये खराब संकल्प थोडेही है?
जिज्ञासुः- ये सपना कब तक पूरा होगा बाबा?
बाबाः-ये तो आपके ऊपर है। आपके पिछले जन्मों के कर्मों के ऊपर है।
जिज्ञासुः खुलेगा ना?
बाबाः बाबा कोई ज्योतिषी थोडेही है? अच्छा संकल्प करेंगे तो अच्छा ही होगा।

Time: 10.18 – 10.50
Student: Baba. Why do I feel again and again that a centre will open in Shivdham, Baba will come there and I have to do Godly service for the benefit of the world with Baba?
Baba: It is a good thought. It is not a bad thought.
Student: Baba, when will this dream come true?
Baba: That depends on you. It depends on your actions in the past births.
Student: It will open, will it not?
Baba: Baba is not an astrologer. If you create good thoughts, only good will happen .

समयः- 10.57 - 12.35
जिज्ञासुः- बाबा। बाप कहते हैं कि मैं माया से भी सर्व शक्तिवान हूँ। फिर ऐसा भी कहते हैं कि माया मुझ से भी सर्व शक्तिवान है। तो कैसे बाबा?
बाबाः- ऐसे तो कभी नहीं कहा माया मुझ से सर्व शक्तिवान है कहीं कहा किसी मुरली में?
जिज्ञासुः- हाँ, मुरली में कहा है।
बाबाः-नहीं। मुरली दिखाना। यहाँ इंचार्ज बहन को लाके दिखाना। माया से बाप सर्व शक्तिवान है या माया सर्व शक्तिवान है? (सबने कहा: बाप सर्वशक्तिवान है।) 2500 साल तक तो बाप

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

होता ही नहीं है। वहाँ अगर माया सर्व शक्तिवान है तो कोई बडी बात नहीं। अभी बाप आया हुआ है, लडाई चालू है कि लडाई बंद हो गई? लडाई तो चालू है। फिर जीत किसकी होनी है ये निश्चय है कि नहीं है? जीत तो बाप और बाप के बच्चों की होगी। तो फिर माया सर्व शक्तिवान है या बाप सर्व शक्तिवान है? बाप सर्व शक्तिवान है। ये तो कह ही नहीं सकते कि माया बहुत सर्व शक्तिवान है बाप कमजोर है। हाँ, माया भी बडी सर्व शक्तिवान है। ऐसे ही जैसे बाप सर्व शक्तिवान है। 2500 साल माया का भी राज्य चलता है और 2500 साल बाप का भी राज्य चलता है। लेकिन जब लडाई होती है आमने सामने टक्कर होती है तो आखिरी जीत फाइनल जीत किसकी होती है? इस बात पर मदार है कि बडा सर्व शक्तिवान कौन है?

Time: 10.57 – 12.35
Student: Baba, the Father says that I am mightier than Maya. Then He also says that Maya is mightier than Me. How is that Baba?
Baba: It has never been said that Maya is mightier than Me. Has it been said in any murli?
Student: Yes, it has been said in a murli.
Baba: No. Show the murli. Show it to the sister *in charge* here. Is the Father mightier than Maya or is Maya almighty? (Everyone said: The Father is Almighty.) The Father is not present for 2500 years at all. If Maya is almighty at that time, then it is not a big thing. Now the Father has come... is the fight going on or has it stopped? The fight is indeed in progress. Then do you have faith about who is going to win or not? It is the Father and his children who will become victorious. So, is Maya almighty or is the Father almighty? The Father is Almighty. You cannot say this at all: Maya is very almighty and the Father is weak. Yes, Maya is also very almighty just as the Father is Almighty. There is the rule of Maya for 2500 years and there is the rule of the Father for 2500 years too. But when the war takes place, when there is a face to face combat, then finally, who gains victory? It depends on this fact (the result of the war) that who is the most almighty.

समयः- 12.40 - 13.30
जिज्ञासुः- बाबा। एडवान्स पार्टी में रुद्रमाला है, और ब्रह्मा पार्टी में विजयमाला है तो विष्णु पार्टी में कौनसी माला है?
बाबाः- विष्णु माला हैं। अरे? विष्णु माला नहीं है क्या? बनेगी या नहीं बनेगी? कि आदमी और औरत ऐसे ही टकराते रहेंगे आपस में? स्त्री पुरुष के संस्कार मिलेंगे या नहीं मिलेंगे? अरे, मिलेंगे कि नहीं? स्त्री पुरुष के संस्कार मिल जायेंगे तो विष्णु की माला में पहुँच जायेंगे। और स्त्री पुरुष के संस्कार टकराते रहे तो उसे विष्णु माला थोडेही कहेंगे?

Time: 12.40 – 13.30
Student: Baba, there is *Rudramala* (the rosary of Rudra) in the advance party and there is *Vijaymala* (the rosary of victory) in the Brahma party, so, which *mala* (rosary) is there in the Vishnu Party?
Baba: There is the *Vishnu mala*. *Arey* Is there no *Vishnu mala*? Will it be prepared or not? Or will husbands and wives keep clashing with each other like now? Will the *sanskars* of husband and wife match or not? *Arey*, will they match or not? When the *sanskars* of husbands and wives match, they will be included in the rosary of Vishnu. And if the *sanskars*

of husbands and wives continue to clash then it will not be called *Vishnu mala* (rosary of Vishnu).

समयः- 13.34 - 14.25

जिज्ञासुः- बाबा। गीता पाठशाला में शिक्षक रहते हुये अपनी मनमत चला कर बाप की मत पर चलते नहीं है तो उसके लिए कैसे क्या है?

बाबाः- उनकी नाक पकड लेनी चाहिए और अपनी नाक नहीं पकडनी चाहिए। हम सुधरे तो जग सुधरा। बाबा ने मुरली में कहा ब्रह्माकुमारी कोई प्रजा कुमारी बनेगी, कोई राजा कुमारी बनेगी। टीचर्स कोई तो टीचर ही बन करके रह जायेंगे सतयुग, त्रेता में। राजाई पद नहीं पावेंगे। और तुम बच्चे राजाई पद पावेंगे। तो दूसरों को नहीं देखना चाहिए। हाँ, इशारा दे सकते है कि ये गलती हो रही है।

Time: 13.34 – 14.25
Student: Baba, despite a teacher being present in the *gitapathshala*, what should be done about those who follow their mind's opinion and do not follow the Father's directions?
Baba: (Ironically :) We should check others and we shouldn't check ourselves. If we reform the world reforms. Baba has said in a murli that some Brahmakumaris will become *Prajakumaris* (subjects) and some will become *Rajakumaris* (princesses). Some teachers will remain just as teachers in the Golden and Silver Ages. They will not achieve the status of a king. And you children will achieve the status of a king. So, you should not look at others. Yes, you may give a hint that this mistake is being committed.

समयः- 14. 27 - 14.55

जिज्ञासुः- बाबा। ब्रह्मा पार्टी में कहा गया है कि संगमयुग में संगम चल रहा है संगमयुग में ही सूक्ष्म वतन रहेगा बाद में नहीं रहेगा। पर आपने कहा कि सूक्ष्म तन है।

बाबाः- सूक्ष्म तन है?

जिज्ञासुः- सूक्ष्म वतन नहीं है, कहते हैं ना।

बाबाः- सूक्ष्म तन है तो सूक्ष्म वतन नहीं है? सूक्ष्म तन है तो सूक्ष्म वतन भी है। सूक्ष्म तन नहीं तो सूक्ष्म वतन भी नहीं।

Time: 14. 27 – 14.55
Student: Baba, it has been said in Brahma Party that Confluence is going on within the Confluence Age. The subtle world exists only in the Confluence Age, it will not be present after that. But you have said that there is the subtle body.
Baba: There is a subtle body?
Student: It is said that there is no subtle world, isn't it?
Baba: If there is subtle body, then is there not subtle world? If there is subtle body, there is the subtle world as well. If there isn't subtle body, then there isn't the subtle world either.... (to be continued.)

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Part-2

समयः- 15.00 – 15.45

जिज्ञासुः- बाबा। प्रजापिता के संपूर्ण होने पर यानी नारायण बन गया तो उसके बाद जो नम्बरवार बच्चे पढेंगे तो उनको कौन पढायेंगे बाबा? शिवबाबा तो होंगे नहीं तब।

बाबाः- अच्छा? 'इस सृष्टि पर सदा कायम कोई चीज है नहीं...', ये भूल गये? इस सृष्टि पर सदा कायम कोई चीज है नहीं। मर जाय तो अच्छा। वो भी जाय ये भी जाय। फिर हम मनमानी करें। ☺ सदा कायम कोई चीज नहीं है। सदा कायम एक शिवबाबा ही है। और ये क्या नई बात निकाली?

जिज्ञासुः- पावन में तो नहीं रहेंगे ना बाबा?

बाबाः- पावन दुनियां में नहीं रहेंगे?

जिज्ञासुः- नहीं नारायण बन जाने के बाद तो उनमें शिव की प्रवेशता नहीं रहेगी ना।

बाबाः- वो सारी दुनियां को पढाई नहीं पढायेंगे वायब्रेशन से।

जिज्ञासु: हाँ वायब्रेशन वही तो...

बाबा: पढाई तो हर तरीके से पढाई जाती है।

Time: 15.00 – 15.45

Student: Baba, when Prajapita becomes complete meaning when he becomes Narayan, who will teach the number wise children (according to the time they come)? Shivbaba will not be present at that time.

Baba: *Achcha*? Did you forget this, 'there is nothing permanent in this world [except Shivbaba]'? [You think:] There is nothing permanent in this world. It is better if he dies. Let that one go and let this one also go. Then we will act as we wish. ☺ Nothing is permanent. Shivbaba alone is permanent. And what is this new thing that you have invented?

Student: Baba, He will not be present in the pure one, will He?

Baba: Will He not be present in the pure world?

Student: No, after he becomes Narayan, Shiva will not enter him, will He?

Baba: Will he (Narayan) not teach the entire world through vibrations?

Student: Yes, vibrations; that is it...

Baba: Knowledge is taught through every method.

समयः- 15.50 – 17.20

जिज्ञासुः- बाबा। कहावत है अपने सोचने से, करने से और बोलने से कुछ नहीं होता।

बाबाः- अच्छा!

जिज्ञासुः- किसके करने और कहने से भी कुछ नहीं होता।

बाबाः- अच्छा?

जिज्ञासुः- वही होता है जो मंज़ूरे खुदा होता है।

बाबाः- मंज़ूरे माने... खुदा को क्या मंज़ूर है? कि सब दुःखी बने रहे। अरे, खुदा तो सदैव यही चाहता है कि सभी सुखी रहे। वो कभी ये चाहता है कि मेरे बच्चे दुःखी रहें? वो तो कभी नहीं

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

चाहता। उसका नाम ही है शिव। शिव अर्थ क्या है? कल्याणकारी। जो भी चाहेगा, जो भी बोलेगा, जो भी करेगा वो कल्याणकारी करेगा, या मंज़ूरे खुदा होगा सो होगा? ये फिकरा बनाया हुआ मुसलमानों का है, या हिंदुओं का है? मुसलमानों का बनाया हुआ फिकरा है। मंज़ूरे खुदा होगा। अरे, खुदा तो कुछ भी नहीं करता। वो तो सिर्फ आके पढाई पढाता है। अब पढाई जो अच्छी पढेंगे, अच्छे2 संकल्प करेंगे तो अपने लिए अच्छी दुनियां रचेंगे। दूसरों के लिए भी दुनियां अच्छी बनावेंगे। नेगेटिव संकल्प करेंगे तो दुःख की दुनियां बनेगी। पाज़िटिव संकल्प करेंगे तो सुख की दुनियां बनेगी।

Time: 15.50 – 17.20
Student: Baba, there is a saying that nothing happens by our thinking, doing or saying.
Baba: *Achcha*!
Student: Nothing happens if anyone does anything or says anything.
Baba: *Achcha*?
Student: Only that what is acceptable to *Khuda* (God) happens (*vahi hota hai jo manzoorey Khuda hota hai*).
Baba: *Manzoorey* means... what is acceptable to God? Is it that everyone should remain sorrowful? *Arey,* God always wishes that everyone should be happy. Does He ever wish that His children should be unhappy? He never wishes that. His name itself is Shiva. What is meant by Shiva? Benevolent. Whatever He wishes, whatever He speaks, whatever He does will be benevolent or will it be 'whatever is acceptable to God will happen'? Is this proverb made by Muslims or by the Hindus? It is a proverb prepared by Muslims: 'whatever is acceptable to God will happen'. *Arey*, God does not do anything. He just teaches the knowledge after coming. Well, those who study well, those who create good thoughts, they will create a good world for them. They will create a good world for others as well. If they create *negative* thoughts, a world of sorrow will be prepared. If you create *positive* thoughts, a world of happiness will be prepared.

भगवान जिसे खुदा कहा जाता है, वो तो अकर्ता है। क्या, किससे करवाता है? बच्चों से करवाता है। जब बच्चों से करवाता है तो उस समय खुद करता भी है। नहीं तो करके कौन दिखावेगा? इसलिए बाप को करन करावनहार दोनों ही कहा जाता है। वो करके दिखाता भी है कि ऐसे करो। ऐसे नहीं सिर्फ डायरेक्शन देकर चला जाता है। कोई स्कूल में टीचर होते हैं तो सिर्फ थ्योरी ही पढाके चले जाते हैं, या प्रैक्टिकल भी करके दिखाते हैं? प्रैक्टिकल भी करके दिखाते हैं। तब बच्चे प्रैक्टिकल करना सीखते हैं।

God who is called *Khuda* is *akarta* (one who does not act). What? Through whom does He get the work done? He gets it done through the children. When He gets it done through the children, He does it Himself as well. Otherwise, who will demonstrate it [to the children]? This is why the Father is called both, the one who acts as well as makes the act (*karan-karaavanhaar*). He also does and sets an example: do like this. It is not that he just gives a *direction* and goes away. There are teachers in schools, do they just teach the *theory* and go or do they also show you by doing it in *practical*? They show you by doing it in *practical* as well. It is then that the children (students) learn to do it in *practical*.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः- 18.15 – 19.50

जिज्ञासुः- बाबा। बेसिक में कुछ वी आई पी लोग जो भेजे जाते हैं।

बाबाः- कहाँ?

जिज्ञासुः- वो तो ज्ञान में नहीं चलते...

बाबाः- कहाँ भेजे जाते हैं?

जिज्ञासुः- मधुबन भेजते हैं।

बाबाः- माउण्ट आबू?

जिज्ञासुः-हाँ, माउण्ट आबू। वो तो ज्ञान में तो चलते ही नहीं और पवित्रता से भी नहीं चलते। तो उनके लिए वहाँ इज़ाज़त मिलती है। और अपने एडवान्स कोर्स में ऐसे वी.आय.पी तो चलते ही नहीं। तो इसके लिए कैसे क्या?

Time: 18.15 – 19.50
Student: Baba, some VIP's are sent in the basic...
Baba: Where?
Student: They do not follow the knowledge...
Baba: Where are they sent?
Student: They are sent to Madhuban.
Baba: To Mount Abu?
Student: Yes, to Mount Abu. They do not follow the knowledge at all and they do not practice purity as well. They get permission (to go) there. But, such VIP's do not follow our advance knowledge. So, how about this?

बाबाः- यहाँ बेहद के वी.आय.पी. हैं या हद के वी.आय.पी हैं? यहाँ तो सब बच्चे गरीब हैं। देखने में साधारण हैं लेकिन अंदर से पुरुषार्थ में तीखे2 वी.आय.पी. भी बैठे हुये हैं। महारथी तो यहाँ हैं। हाथी सवार, घोडे सवार यहाँ हैं। राजा बनने वाले यहाँ हैं। राजाई का पुरुषार्थ करने वाले यहाँ हैं। राजयोग बाप से डायरेक्ट सीखने वाले यहाँ हैं। जो राजयोग सीखते हैं वो घर गृहस्थ में रह करके सीखते हैं, या सन्यास अवस्था में सीखते हैं? (सबने कहा - घर गृहस्थ में।) बी.के में सन्यासी पढाने वाले हैं, या गृहस्थी पढाने वाले हैं? सन्यासी पढाने वाले हैं। वहाँ राजाई कहाँ से आ गई? राजाई की स्थापना तो बाप ने... घर गृहस्थ में रह करके राजयोग सिखाया है। बेहद का गृहस्थी बन करके आता है।

Baba: Are there VIPs in the unlimited here or are there VIPs in the limited? Here all the children are poor. They appear to be ordinary, but from within… VIPs who are intense in *purusharth* (spiritual effort) are also sitting. It is here that there are *maharathis* (great warriors). The elephant-mounted warriors, horse-mounted warriors are present **here**. Those who are going to become kings are present **here**. Those who make *purusharth* for kingship are present **here**. Those who learn Raja yoga directly from the Father are present **here**. Those who learn Raja yoga, do they learn it while being in the household or do they learn it in the state of *sanyas* (renunciation)? (Everyone said: In the household.) Do *sanyasis* teach in B.K.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

or do householders teach there? The *sanyasis* teach there. How did kingship come there? As regards the establishment of kingship…the Father has taught Raja yoga while being in the household. He comes as a householder in the unlimited.

समयः- 20.00 – 20.20

जिज्ञासुः- बाबा। जैसे कि गीता पाठशाला में सबेरे का टाइम दिया जाता है हर दिन, लेकिन कुछ आत्मा या भाई को वो सबेरे का समय नहीं सूट होता।

बाबाः- तो दोपहर का क्लास होता है माताओं का। फिर शाम का भी क्लास होता है, तो शाम को आ सकते हैं।

जिज्ञासुः हाँ जी बाबा।

Time: 20.00 – 20.20

Student: Baba, the morning time is fixed in the *gitapathshala* [for] everyday [class], but the morning time is not suitable to some souls or brothers...

Baba: Then, there is the afternoon *class* for mothers. After that there is an evening *class* as well. They can come in the evening.

Student: Ok, Baba.

समयः- 20.25 – 22.45

जिज्ञासुः- बाबा। जो भूतप्रेतों वाली आत्मायें होती है उनको शरीर में प्रवेश करने के बाद भूतप्रेत वाले बाँध लेते है। तो ये कैसे बाँधते है बाबा? और दूसरा ये है ...

बाबाः- यहाँ तांत्रिक विद्या सिखाई जाती है क्या?

जिज्ञासुः- ये वार्तालाप 500 में बोला है बाबा ने।

बाबाः- यहाँ भूतप्रेतों को बाँधना नहीं सिखाया जाता है। यहाँ भूतप्रेतों को बाँधेंगे तो वहाँ क्या स्वर्ग में ले जावेंगे? जो भूतप्रेतानि आत्मायें है वो परमधाम मे बैठेंगी, या स्वर्ग में जावेंगी? स्वर्ग में जावेंगी नहीं। वो तो परमधाम में बैठेंगी। कब से आना शुरु करेंगी? द्वापरयुग से सूक्ष्म शरीर शुरु होता है। वो सूक्ष्म शरीर के बंधन में वहाँ से बंधना शुरु होंगे। जो ज्यादा पाप करते हैं, ज्यादा अत्याचार करते हैं उनको सूक्ष्म शरीर के बंधन में थोडे समय बंधना पडता है ताकि उनके पाप ज्यादा न बढ़ जाय। तो देवताई जो आत्मायें होंगी आदि से लेकर अंत तक अपने धर्म की पक्की होंगी वो दूसरों को सुख देने वाली होंगी, या दुःख देने वाली होंगी? फिर भी उनमें सुख देने के संस्कार ज्यादा होंगे। ज्यादा पाप करने वाले वो ही भूतप्रेत बनते हैं। जो देवी देवता सनातन धर्म के सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी हैं वो भूतप्रेत योनियों में नहीं जाते हैं। और न उन्हें तांत्रिक परिक्रिया सीखने की दरकार है। गीता में भी लिखा हुआ है जो भूतप्रेतों की पूजा करते हैं, तांत्रिक क्रियायें सीखते हैं, सिखाते हैं वो भूतप्रेतों की योनि मे जाते हैं। जो देवताओं की उपासना करते हैं वो देव योनि में जाते हैं। और मेरे को फालो करने वाले मेरी उपासना करते हैं तो भगवान भगवती बनते हैं ल0ना0। नर से नारायण, और नारी से लक्ष्मी जैसे बनते हैं। वहाँ सब यथा राजा तथा प्रजा होते हैं।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 20.25 – 22.45
Student: Baba, the people who deal with ghosts and spirits bind the souls of ghosts and spirits when they enter someone's body. So Baba, how do they bind them? And secondly...
Baba: Is any black magic (*tantric vidya*) taught here?
Student: Baba has said about it in the discussion no. 500.
Baba: Here, you are not taught to bind the ghosts and spirits. If you bind ghosts and spirits here, then will you take them to heaven? Will the souls of ghosts and spirits sit in the Supreme Abode or will they go to heaven? They will not go to heaven. They will sit in the Supreme Abode. When will they start coming [in the corporeal world]? The subtle body begins from the Copper Age. They will start being bound in the bondage of subtle body from that time. Those who commit more sins, those who commit atrocities a lot have to be bound in the bondage of subtle body for some time, so that their sins do not increase further. So, the deity souls who are firm in their religion form the beginning till the end, will they be the ones who give happiness to others or will they be the ones who give sorrow? Comparatively, they will have more *sanskars* of giving happiness. Only those who commit more sins become ghosts and spirits. The *Suryavanshi* (those of the Sun dynasty), *Chandravanshi* (those of the Moon dynasty) of the *Devi-Devata Sanatan Dharma*[1] are not become ghosts and spirits. And they don't need to learn black magic either. It is also written in the Gita that those who worship ghosts and spirits, who learn or teach black magic, become ghosts and spirits. Those who worship deities become deities. And those who *follow* Me, who worship Me, they become God - Goddess. Lakshmi-Narayan… they transform from a man to Narayan and from a woman to Lakshmi. There, as the king, so are all the subjects (*yatha raja tatha praja*).... (to be continued.)

Part-3

समयः- 22.45 – 23.10
जिज्ञासुः- बाबा। एक आत्मा के लिए शाम को मुरली लगाई जाती है?
बाबाः- हाथ उठाओ। हाँ, जी।
जिज्ञासुः- एक आत्मा की इच्छा हो शाम को मुरली सुनने की। सबेरे जाते हैं लेकिन पूरी मुरली नहीं सुनते हैं।
बाबाः- अगर रोज जाने वाली है तो क्यों नहीं लगाई जायेगी?
जिज्ञासुः हाँ, जी रोज़ जाने वाली है।
बाबाः रोज जाने वाली होगी तो मुरली लगाई जायेगी।

Time: 22.45 – 23.10
Student: Baba, is murli played in the evening for one soul?
Baba: Raise your hand; yes.
Student: If a soul wishes to listen to murli in the evening; he goes [to *gitapathshala*] in the morning, but he doesn't listen to complete murli...
Baba: If it goes [to *gitapathshala*] daily, then why will it not be played [for him]?
Student: Yes, it goes [to *gitapathshala*] daily.

[1] the Ancient Deity Religion

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: If it goes [to *gitapathshala*] every day, then the murli will be played [for him].

समयः- 23.12 – 23.45

जिज्ञासुः- बाबा। आत्मा ज्योति बिंदु है तो उसमें मन और बुद्धि समाई है। तो शिव ये भी ज्योति बिंदु है। ये तो बुद्धि की...

बाबाः- आत्मा जो है मन, बुद्धि और संस्कार सहित है। लेकिन परमधाम में और स्वर्ग में मन तिरोहित हो जाता है। मन क्या हो जाता है? अमन हो जाता है। वहाँ मन चलायमान होकर नहीं रहता।

Time: 23.12 – 23.45
Student: Baba, the soul is a point of light; mind and intellect are merged in it. So, Shiva is also a point of light. It is about the intellect.....
Baba: The soul consists of mind, intellect and *sanskar*. But the mind vanishes in the Supreme Abode and heaven. What does the mind (*man*) become? It becomes *aman* (peaceful). The mind is not inconstant there.

समयः- 23.54 – 30.10

जिज्ञासुः- शिवबाबा तो ऑलमाइटी अथार्टी है...

बाबा: हाँ जी।

जिज्ञासुः- और साकार में रहते हुए कहा है कि ये कागज की मुरली जो है थर्ड क्लास मुरली है।

बाबा: ठीक है।

जिज्ञासुः- लेकिन आलमाइटी अथार्टी शिवबाबा रहते हुये फिर भी उनको कागज की मुरली का सपोर्टिंग क्यो लेना पडता है?

बाबाः- ओहो..ये बात रही लाख टके की एक। ये बात आज जान पाई, पूछने के लिए आज तक रह गई। अरे, मुरली पढने वाली ब्रह्मा की सोल है। ब्रह्मा बच्चा है या बाप है? पढने वाला कौन है, पढाने वाला कौन है यही भूल गये। पढने वाली कितनी आत्मायें हैं, और पढाने वाली कितनी आत्मायें हैं? आप किससे पढाई पढते रहे अभी तक? (**जिज्ञासु:** शिवबाबा से।) शिवबाबा से। तो पढाने वाला तो एक ही है। जिसका नाम ज्योति बिंदु शिव है। वो नाम तो कभी बदलता नहीं। शरीर बदलते हैं तो नाम बदल जाता है। बेसिक में भी पढाने वाला कौन था? क्या ब्रह्मा बाबा पढाता था? जिन्होंने ब्रह्मा बाबा से बैठ पढा, जिनकी बुद्धि में कानसनट्रेशन रहता था ब्रह्मा बाबा की चेहरे पर, उनकी पढाई पूरी हुई कि अधूरी रह गई? वो तो अधूरी रह गई। जिनका कानसनट्रेशन रहता था शिवबाबा के ऊपर कि ब्रह्मा बाबा नहीं पढाने वाला है, हमको पढाने वाला कौन है? शिवबाबा। उनकी पढाई वहाँ भी संपन्न हुई, उनकी आत्मा रुपी सुई ने कट उतारली बेसिकली। उनका क्लास ट्रान्सफर हो गया।

Time: 23.54 – 30.10

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Shivbaba is Almighty authority...
Baba: Yes.
Student: And while being in a corporeal form He said that the murli on paper is third class murli.
Baba: That is right.
Student: Despite the presence of Shivbaba , the Almighty Authority, why does He need to take the support of murli on paper?
Baba: Oho! So this is the topic worth hundred thousand. Did you come to know about this now; was this question left to ask till today. *Arey*, it is the soul of Brahma who reads murlis. Is Brahma a child or the Father? You have forgotten this very thing: who reads [the murli] and who teaches it? How many souls study and how many souls teach? From whom have you been studying so far? (**Student:** From Shivbaba.) From Shivbaba. So, the teacher who teaches is only one; whose name is the Point of light Shiva. That name never changes. When the bodies change, the names change. Who was the teacher in basic [knowledge] as well? Did Brahma Baba teach? Those who studied from Brahma Baba, whose *concentration* of the intellect were focused on Brahma Baba's face, did they complete their study or was it left incomplete? It was left incomplete. Those who focused on Shivbaba thinking that Brahma Baba is not their teacher; who is their teacher? Shivbaba. Their study completed there as well; the *cut* (rust) on their needle-like soul was basically removed. Their *class* transferred.

उस क्लास ट्रान्स्फर होने में ब्रह्मा की आत्मा ट्रान्सफर हुई होगी कि नहीं हुई होगी? नहीं हुई होगी? (**जिज्ञासु:** हुई होगी।) हाँ, ब्रह्मा की आत्मा भी ट्रान्सफर होती है। नहीं तो आधा चन्द्र के रुप में शंकर के मस्तक पर चन्द्रमा क्यों दिखाया जाता है? दिखाया जाता है या नहीं? तो वो ब्रह्मा की प्रवेशता है। हाँ, ये जरुर है बच्चा बहुत पावरफुल है। किसके मुकाबले? किसके मुकाबले बहुत पावरफुल है? रामवाली आत्मा के मुकाबले बहुत पावरफुल है। कब तक पावरफुल रहेगा? सीढी के चित्र में दिखाया है कौन पतित स्टेज में पडा हुआ है अंत में और कौन पावन स्टेज में खडा हुआ है?
जिज्ञासुः- राम वाली आत्मा...
बाबाः- राम वाली आत्मा इतनी पतित हो जाती है आखिरी जन्म में कि गिरी हुई है। भिखारी के रुप में पड़ी हुई है। और ब्रह्मा की आत्मा खड़ी हुई है। खड़ी हुई आत्मा ऐसे नहीं कहेंगे कि संपूर्ण पवित्र हो गई। कहेंगे? नहीं। तो पढने वाला कौन है? ब्रह्मा की सोल भी पढने वाली है और राम की सोल भी पढने वाली और पढाने वाला कौन है? शिवबाबा। अब हाथ में मुरली कौन लेता होगा? शिवबाबा को मनन चिंतन मंथन करने की दरकार है? (**जिज्ञासु:** नहीं हैं।) नहीं है। फिर कौन2 रह गया जिसको मनन चिंतन करने की दरकार है। राम वाली आत्मा और ब्रह्मा की सोल। उनमें भी ब्रह्मा की सोल का विधर्मियों से ज्यादा कनेक्शन जुट जाता है, या राम वाली आत्मा का ज्यादा कनेक्शन जुट जाता है 63 जन्मों में? बताओ, बताओ, बताओ। (जिज्ञासु: ब्रह्मा।) ब्रह्मा वाली।

In that [list of] *transfer* of the *class*, would Brahma's *soul* have transferred or not? Would it not have been transferred? (Student: It must have.) Yes, the soul of Brahma is also

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

transferred. Otherwise, why is the Moon shown on the forehead of Shankar in the form of half moon? Is it shown or not? So, that is [the memorial of] the entrance of Brahma. Yes, this is certain that the child is very *powerful*; compared to whom? In comparison to whom is he very *powerful*? He is very *powerful* in comparison to the soul of Ram. Till when will he remain *powerful*? It has been shown in the picture of the Ladder ... who is lying in the end with a sinful *stage* and who is standing with a pure stage?
Student: The soul of Ram.
Baba: The soul of Ram becomes so sinful in the last birth that it is [shown] lying down. It is lying in the form of a beggar. And the soul of Brahma is standing. As regards the soul that is standing, it will not be said that it has become completely pure. Will it be said so? No. So, who is the student? The *soul* of Brahma as well as the *soul* of Ram are students. And who is the teacher? Shivbaba. Well, who will hold the murli in the hands? Does Shivbaba need to think and churn? (Student: He doesn't.) He doesn't. Then who remain who require to think and churn? The soul of Ram and the *soul* of Brahma. Even among them, does the *soul* of Brahma comes in *connection* with the *vidharmis*[2] more or does the soul of Ram comes in *connection* with the *vidharmis* more in the 63 births? Tell [me], tell [me], tell [me]. (Student: Brahma.) [The soul] of Brahma.

अम्मायें जो होती हैं वो बच्चों को बहुत प्यार करती हैं। और अम्माओं की अम्मा कौन है? ब्रह्मा। उनको संग का रंग बच्चों का बहुत लग जाता है। इतना संग लग जाता है कि गीता का भगवान कृष्ण बच्चा ही बन करके बैठ जाता है। पूरी प्रभावित हो जाती है। तो ब्रह्मा की सोल तो है विधर्मी बच्चों से पूरी प्रभावित। राम वाली आत्मा तो असल सूर्यवंशी है, प्रभावित नहीं है, इसलिए बुद्धि में ज्ञान जल्दी बैठ जाता है। गीता का भगवान कौन? आखिर साकार में इस सृष्टि पर गीता का साकार रुप में भगवान बनने का पार्ट किस व्यक्तित्व का है? दादा लेखराज ब्रह्मा का है, या जिसका नाम शिव के साथ जोड़ा जाता है उसका है? (जिज्ञासु: जिसका नाम जोडा जाता है।) तो यही अंतर है। क्लास में टीचर टेक्स्ट बुक पढाता है, बच्चे अपने हाथ में टेक्स्ट बुक रखते हैं या नहीं रखते हैं? रखते हैं। बच्चे पढते हैं और टीचर उसका क्लैरिफिकेशन देता है। जो भी क्लैरिफिकेशन एडवान्स में निकलते हैं वो ब्रह्मा की सोल निकालती है क्या? कौन निकालती है? शिव को कहें? शिव निकालते हैं? शिव की आत्मा को मनन चिंतन मंथन करके नई बात निकालने की दरकार है? नहीं। शिव मनन चिंतन मंथन नहीं करता। वो असोचता है, या सोचता है? वो तो असोचता है। बच्चों के द्वारा कराता है। नहीं समझ में आया? आ गया।

Mothers love their children a lot. And who is the mother of mothers? Brahma. He is coloured a lot by the company of the children. He is coloured by the company so much that child Krishna himself sits as God of Gita. He becomes completely influenced. So, Brahma's *soul* is completely influenced by the *vidharmi* children but the soul of Ram is true *Suryavanshi*; it is not influenced; this is why the knowledge sits in his intellect quickly. Who is God of Gita? Ultimately, which personality plays the *part* of becoming God of Gita in the corporeal form in this world? Is it the part of Dada Lekhraj Brahma or of the one whose name is joined with

[2] Those who have beliefs and practices opposite to that set by the Father.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Shiva? (Student: Of the one whose name is joined [with Shiva].) So, this is the difference. A *teacher* teaches [the lessons in the] *text book* in the *class*; do children (students) hold *text book* in their hands or not? They hold it. Children read it out and the *teacher* gives its *clarification*. Does the *soul* of Brahma give the clarifications in the advance knowledge? Who gives it? Should it be said for Shiva? Does Shiva give it? Does Shiva's soul need to bring out new topics by thinking and churning? No. Shiva does not think and churn; is He *asochta* (the one who does not think) or *sochta* (the one who thinks)? He is certainly *asochta*. He gets it done through the children. Did you not understand? You have.

समयः- 30.15 – 30.20

जिज्ञासुः- बाबा। एडम और ईव का मतलब क्या है?

बाबाः- एडम माना बाप, ईव माने अम्मा।

Time: 30.15 – 30.20
Student: Baba, what is meant by Adam and Eve?
Baba: Adam means father and Eve means mother.

समयः- 30.25 – 31.15

जिज्ञासुः- बाबा ये ज्ञान सतो, रजो, तमो में आता है तो ये बच्चों की समझने की स्टेज नीचे गिरती है कि ज्ञान ही सतो, रजो, तमो में आता है?

बाबाः- जब संख्या बढती है तो स्टेज नीचे गिरती है, या ऊँची उठती है? वायब्रेशन टूटते हैं तो स्टेज नीचे गिर जाती। जब द्वापरयुग था थोडी जनसंख्या थी। थोडों का संग लगता था और अभी कलियुग में ढेर के ढेर वायब्रेशन टकरा रहे हैं। इसलिए बहुत अंतर पड जाता है शास्त्रों के अर्थ में। अर्थ का अनर्थ हो गया है। द्वापर के आदि में फिर भी शास्त्रों में सच्चाई थी। अभी तो झूठ ही झूठ।

Time: 30.25 – 31.15
Student: Baba, this knowledge passes through *sato, rajo* and *tamo*[3] [stages]; so is it the *stage* of understanding [the knowledge] by the children which goes down or does the knowledge itself pass through *sato, rajo* and *tamo* [stages]?
Baba: When the population increases, does the *stage* go down or does it rise? The vibrations clash, hence, the *stage* goes down. When it was the Copper Age, the population was small. We used to get coloured by the company of few people and now in the Iron Age, numerous vibrations are clashing [with each other]. This is why a lot of difference arises in the meanings of the scriptures. It has become meaningless. There was still truth in the scriptures in the beginning of the Copper Age. Now there is just untruth... (to be continued.)

Part-4

समयः- 31.18 – 32.00

[3] *Sato*: when there is dominance of goodness and purity; *Rajo*: dominated by the quality of activity or passion; *Tamo*: dominated by darkness or ignorance.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः- बाबा, जो अभी बात हुई करन करावनहार की वो सुप्रीम सोल शिव ज्योति बिंदु के लिए कहेंगे ?

बाबाः- क्या कहेंगे?

जिज्ञासु: वही जो करन करावनहार की बात हुई थी।

बाबा: शिव ज्योति बिंदु करावनहार किसी शरीर के द्वारा बनेगा और करनहार किसी शरीर के द्वारा बनेगा या बिंदु रुप में बनेगा? (सबने कहा: शरीर के द्वारा।) बिंदु की तो बात ही नहीं।

जिज्ञासुः- वो प्रैक्टिकल पार्ट बजाता है ना।

बाबाः- हाँ प्रैक्टिकल शरीर के द्वारा होता है या बिना शरीर के होता है? प्रैक्टिकल शरीर के द्वारा होता है।

Time: 31.18 – 32.00
Student: Baba, is the topic of *Karan-karaavanhaar*[4] which was discussed just now applicable to the Supreme Soul Shiva, the Point of light?
Baba: What will be said?
Student: The topic of *Karan-karavanhar* which was discussed just now.
Baba: Will the Point of light Shiva become *karaavanhaar* through a body and will He become *karanhaar* through a body or will He become that through the point form? (Students: Through the body.) The question of the point doesn't arise at all.
Student: He plays the part in practice, doesn't He?
Baba: Yes, is something done in practice through the body or without the body? Things are done in practice through the body.

समयः- 31.58 – 32.50

जिज्ञासुः- बाबा, महाभारत में भीष्म पितामह को पवित्रता के कारण इच्छा मृत्यु हुई थी।

बाबाः- हाँजी।

जिज्ञासुः- एसे ही राम वाली आत्मा भी पूरी तरह ब्रह्मचर्य का पालन करती है तो उनको भी इच्छा मृत्यु होगी क्या?

बाबाः- भीष्म पितामह सन्यासी थे या गृहस्थी थे?

सभीः- सन्यासी थे।

बाबाः- तो प्रजापिता से कैसे टैली कर लोगे? प्रजापिता तो बेहद का गृहस्थी है। हद का गृहस्थी है या बेहद का गृहस्थी है? (**जिज्ञासु:** बेहद का।) फिर? और भीष्म पितामह को कोई पत्नी थी क्या? बाल बच्चे थे? नहीं।

Time: 31.58 – 32.50
Student: Baba, in the [epic] Mahabharata, Bhishma Pitamah found death at the time he wished, due to purity.
Baba: Yes.

[4] The one who acts and makes the others act

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Similarly, the soul of Ram also follows celibacy (*brahmacharya*) completely. So, will he also find death at the time he wishes?
Baba: Was Bhishma Pitamah a *sanyasi* or a householder?
Everyone said: He was a *sanyasi*.
Baba: So, how will you *tally* him with Prajapita? Prajapita is a householder in the unlimited. Is he a householder in the limited or a householder in the unlimited? (**Student:** Unlimited.) Then? And did Bhishma Pitamah have any wife? Did he have children? No.

समयः- 32.55 – 33.59

जिज्ञासुः- बाबा, भक्तिमार्ग में पूरी गाँव में जगन्नाथ की यात्रा निकलती है। तो देश, विदेश के भी लोग आते हैं। तो उस मंदिर में जो सिंह द्वार है वहाँ से सुभद्रा देवी की मूर्ति लाते हैं। और वो रथ में जगन्नाथ, बालभद्र, और सुभद्रा की मूर्ति रखते हैं। तो बालभद्र का अर्थ क्या है बाबा?

बाबाः- बालभद्र नहीं, बलभद्र। बलभद्र राम को कहा जाता है। उन्हें बलराम भी नाम दिया हुआ है। दो ही आत्माओं को अनेकों रुपों में दिखाया है। महाभारत में कृष्ण और बलराम, रामायण में राम और लक्ष्मण के रुप में दिखाया है।

जिज्ञासुः- रथ यात्रा को बहाण्डी कहते हैं।

बाबाः- हाँ, जी।

Time: 32.55 – 33.59
Student: Baba, in the path of *bhakti Jagannath yatra*[5] is organized in the entire village. So, people from all over the country and abroad come there. They bring the idol of Subhadra *Devi* from the *Sinhdwaar*[6] of that temple. And they keep the idol of Jagannath, Baalbhadra and Subhadra in that chariot. So Baba, what is the meaning of Baalbhadra?
Baba: It is not Baalbhadra, it is Balbhadra. Ram is called Balbhadra. He has also been given the name Balram. Only two souls have been shown in many forms. They have been shown as Krishna and Balram in [the epic] Mahabharata and as Ram and Lakshman in [the epic] Ramayana.
Student: The *rath yatra* is called *Bahaandi*.
Baba: Yes.

समयः- 34.00 – 35.28

जिज्ञासुः- मुरली में कहा है कि बाप कहते हैं कि मैं अपने बच्चों को अंत तक पाव भर आटा माना दाल रोटी मिलती रहेगी।

बाबाः- ठीक है।

जिज्ञासुः- तो ये केवल मधुबन वासियों के लिए कि ब्राह्मण बच्चे के लिए भी?

[5] A procession held at Puri, Orissa in which the idol of Lord Jagannath is carried around the city on a chariot pulled by people
[6] The name of a gate at Jagannath temple; lit. lion gate

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- अच्छा, मधुबन वासी ही बच्चे हैं? जो बाहर रहते हैं, घर-गृहस्थ में वो बच्चे नहीं हैं? जो बाहर घर गृहस्थ में रहते हैं, पुरुषार्थ करते हैं, रोज क्लास अटेण्ड करते हैं, वो बच्चे नहीं हैं? अगर ऐसा होता तो बाबा ये क्यों कहते अंदर वाले रह जावेंगे और बाहर वाले ले जावेंगे? बेसिक में भी ऐसे ही हुआ। अंदर जो सेरण्डर होकर के बैठे थे वो रह गये अभी भी बैठे हुये हैं उन्हें पहचान ही नहीं है। पता ही नहीं है उनको कि शिवबाबा प्रैक्टिकल में आकर पतित से पावन बनाता है और प्रैक्टिकल में आकर के राजधानी स्थापन करके जाता है। धर्म की स्थापना करके जाता है बीच में छोडके नहीं जाता है। मनुष्यों द्वारा धर्म की स्थापना नहीं होती है आदि सनातन देवता धर्म की। न उनकी राजधानी स्थापन होती है। ये बाप का कार्य है। क्या? और धर्म पितायें सिर्फ अपना धर्म ही स्थापन करते हैं। और बाप? धर्म के साथ2 राजाई और राजधानी भी स्थापन करके जाते हैं। इस दुनियां का श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ राजा कौन है उसको प्रत्यक्ष करके जाते हैं।

Time: 34.00 – 35.28
Student: It has been said in the murli that the Father says, 'My children will continue to get a quarter kilogram (250 grams) of wheat flour, i.e. bread and lentils till the end'.
Baba: It is correct.
Student: So, is this only for the residents of Madhuban or for the Brahmin children as well?
Baba: *Accha*, are only the *madhubanwasis* (residents of *madhuban*) the children? Those who live outside [the *madhuban*] in a household, are they not children? Those who live outside [the *madhuban*] in a household, who make *purusharth*[7], who *attend* the *class* daily, are they not the children? Had it been so, why would Baba say that the insiders will be left behind and the outsiders will take away [the inheritance]? It happened like this in basic [knowledge] as well. Those who were surrendered and sitting inside were left behind, they are sitting even now, they do not have the recognition [of the Father] at all. They do not know at all that Shivbaba comes in practice and transforms the sinful ones into pure ones and establishes the capital in practice and then departs. He goes [only] after establishing the religion. He does not leave in between. *Dharma*, i.e. *Adi sanatan Devata Dharma*[8] is not established by human beings nor is their (the deities') capital established [by the human beings]. This is the Father's task. What? Other religious fathers just establish their religion. And what about the Father? He establishes kingship as well as the capital along with the religion and then departs. He reveals the most righteous king of this world and then departs.

समयः- 35.30 – 37.35
जिज्ञासुः- बाबाजी, माउण्ट आबू में सब लोग इकट्ठे होंगे, और तपस्या में लग जायेंगे।
बाबाः- सब लोग इकट्ठे होंगे? 5 सौ करोड़?
जिज्ञासुः- नहीं। जो ब्राह्मण अपने एडवान्स पार्टी वाले।
बाबाः- एडवान्स के सब लोग इकट्ठे होंगे?
जिज्ञासुः- हाँ।

[7] Spiritual effort
[8] The Ancient Deity Religion

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा: दूसरे धर्म की आत्मायें जो बीजरुप आत्मायें हैं दूसरे धर्म की वो इकट्ठी हो जायेंगी?
जिज्ञासुः- नहीं।
बाबा: फिर? यहाँ तो ढेर सारे ऐसे बैठे हुये हैं जो दूसरे2 धर्म के बीज हैं। आदि सनातन देवी देवता धर्म के सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी तो बहुत थोडे गिने-चुने हैं। अभी जो पैदाइश हो रही है वो मोस्टली पैदाइश बिच्छू-टिण्डन की हो रही है, या श्रेष्ठ आत्माओं की हो रही है? हद में भी, हद की दुनियां में भी और बेहद की ब्राह्मणों की दुनियां में भी, बेसिक में भी, और एडवान्स में भी जो पैदाइश हो रही है वो श्रेष्ठ आत्माओं की हो रही है या बिच्छू-टिण्डनों की हो रही है?
जिज्ञासुः- बिच्छू-टिण्डनों की।
बाबाः- फिर? सब कैसे चले जावेंगे माउण्ट आबू?

Time: 35.30 – 37.35
Student: Baba*ji*, all the people will gather in Mount Abu and will get engaged in *tapasya*[9].
Baba: Will everyone gather [there]? [Will] 5 billion [gather together]?
Student: No. The Brahmins who belong to our Advance Party.
Baba: Will all those who belong to the Advance [party] gather [there]?
Student: Yes.
Baba: Will the souls of other religions who are the seed form souls of the other religions gather together?
Student: No.
Baba: Then? There are numerous such people sitting here who are the seeds of other religions. The *Suryavanshi* and *Chandravanshi* (those belonging to the Sun dynasty and the Moon dynasty) of *Adi Sanatan Devi Devata Dharma* are very few, they are selected ones. Those who are born now... are *mostly* [souls like the] scorpions and spiders being born or are righteous souls being born? In the limited, in the limited world as well as in the unlimited Brahmin world ; in the basic [knowledge] as well as in the advance [knowledge], all those who are being born, are they elevated souls or are they [souls like the] scorpions and spiders?
Student: Scorpions and spiders.
Baba: Then? How will everyone go to Mount Abu?

जिज्ञासुः- तो बाबा जी तपस्या में बैठेंगे तो थोडी ज्यादा ही संख्या रहेगी तो फिर...
बाबाः- हाँ?
जिज्ञासुः- जब योग में रहेंगे...
बाबाः- योग में रहने वाले को माया ज्यादा तंग करती है और फिर बाबा सहयोग नहीं देते हैं?
जिज्ञासुः- नहीं2 उनको खाना पीना।
बाबाः- कम्पिल? कम्पिल कहाँ से कूद पडा?
दूसरा जिज्ञासुः- ऐसे कह रही है तपस्या में रहेंगे तो खाना पीना कैसे खायेंगे?
पहला जिज्ञासुः भोजन खिलायेंगे क्या उनको?

[9] Meditation

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- माना ज्यादा भूख लगेगी। अरे, योगी की भूख कम होती जाती है, या बढती जाती है? भूख इतनी कम हो जावेगी कि श्वास से ही पाँचों तत्व ग्रहण करते रहेंग। खाऊं-खाऊं की बात ही खत्म हो जायेगी। बडी चिंता हो रही हो रही है घर मकान बेचें कि नहीं बेचें?

जिज्ञासुः- नहीं बाबा।

बाबाः- नहीं बाबा।

Student: So, Baba*ji*, when we will sit in *tapasya*, the number [of students] will be a bit more; so...
Baba: Hm?
Student: When we will be in yoga.
Baba: Maya troubles more to those who remain in yoga and doesn't Baba help them?
Student: No, no. What about their food, etc.?
Baba: Kampil? Where did [the topic of] Kampil come from?
Second Student: She wants to say that if they remain in *tapasya* how will they eat and drink?
The first student: Will they be fed?
Baba: Does it mean that they will be hungrier (than others)? *Arey*, does the appetite of a yogi[10] lessens gradually or does it continue to increase? The hunger will be so less that they will consume the five elements through breath itself. The topic of eating voraciously itself will end. You are very worried [thinking:] should I sell my home and building or not?
Student: No Baba.
Baba: No Baba... (to be continued.)

Part-5

समयः- 37.37 – 39.44

जिज्ञासुः- अभी जबकि बाबा मिला है सर्व शक्तिमान कहो, या सर्व शक्तिवान कहो सभी को पार ले जाने वाला है। अभी 33 कोटि वाली आत्मायें हैं, वो परमधाम से इस धरती पर आकर अपना रोल बजा रही हैं। तो कुछ2 बच्चे...

बाबाः- तुम्हारे प्रश्न बडे लम्बे चैडे होते हैं। ☺☺☺

जिज्ञासुः- उनके भभके या प्रभाव के अंदर जा रहे हैं। तो उन बच्चों का भविष्य क्या होगा बाबा?

बाबाः- किन बच्चों का?

जिज्ञासुः- जो उनके प्रभाव में जा रहे हैं।

बाबाः- किनके?

जिज्ञासुः- जो और2 धर्म यानी 33 कोटि वाली जो आत्मायें हैं जो अभी कलियुग के अंत में...

बाबाः- जो और2 धर्मों के प्रभाव में जाते हैं वो देवी देवता सनातन धर्म के होते हैं, या और धर्मों के पक्के होते हैं? (जिज्ञासु: और धर्मों के पक्के...) और धर्मों के पक्के होते हैं वो और धर्म के प्रभाव में जाते हैं? वो कभी अपना धर्म चेंज नहीं करते। जो द्वापरयुग से पैदा होने

[10] The one who practices yoga

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

वाले क्रिश्चियन हैं, जो इस्लामी हैं, मुसलमान हैं, बौद्धी हैं वो कभी भी अपना धर्म चेंज नहीं करते। जो डायरेक्ट अपने धर्म पिता के पीछे2 आते हैं।

Time: 37.35 – 39.44
Student: Now we have found Baba, call Him *sarvashaktimaan* or *sarvashaktivaan* (Almighty), He is the one who takes everyone across. Now 330 million souls have to this earth and are playing their part after coming from the Supreme Abode. So, some children...
Baba: Your questions are very long. ☺ ☺ ☺
Student: They are being influenced by them. So Baba, what will be the future of those children?
Baba: Which children?
Student: Those who are being influenced by them.
Baba: By whom?
Student: Those of other religions meaning the 330 million souls, who at the end of the Iron Age now....
Baba: Those who come under the influence of other religions do they belong to the Ancient Deity Religion or are they firm in other religions? (Students: They are firm in other religions...) Those who are firm in other religions do they come under the influence of other religions? They never *change* their religion. The Christians, people of Islam, Muslims, Buddhists, who are born from the Copper Age and who come directly following their religious father, never change their religion.

ये तो देवी देवता सनातन धर्म के 33 करोड देवतायें ही हैं जो कन्वर्ट होकर के हिंदू बनके और-3 धर्मों में के पीछे चले जाते हैं। ये बहुत प्रभावित होन वाली आत्मायें हैं। ये मातृ देश की आत्मायें हैं या बाप देश की आत्मायें हैं? भारत देश मातृ देश है या बाप देश है? मातृ देश है।

जिज्ञासुः- बाबा जबकि अभी उनको बाप मिला है तो बाप पर ही निश्चय अटल होना चाहिए ना?

बाबाः- अरे, अटल होना चाहिए जब एक धर्म में कन्वर्ट हुई हों तब ना? अपने धर्म के पक्के होंगे तभी तो अपने धर्म पिता के ऊपर पक्का निश्चय होगा। जब द्वापरयुग से और-और धर्मों में कन्वर्ट होते रहे तो वो भाव, स्वभाव, संस्कार 63 जन्मों का रील में उदय होगा या नहीं होगा? उदय होता है।

It is the 330 million deities of the Ancient Deity Religion who *convert*, become Hindus and go to other religions. These are the souls which become influenced a lot. Are they the souls belonging to the motherland or are they the souls belonging to the 'fatherland'? Is India a motherland or 'fatherland'? It is a motherland.
Student: Baba, now when they have found the Father, they should have firm faith on the Father alone, shouldn't they?
Baba: *Arey*, it will be unshakeable only when they have converted to one religion, haven't they? They will have firm faith on their religious father only when they are firm in their religion. If they have been converting to other religions from the Copper Age, then will those natures and *sanskars* of 63 births appear in the *reel* or not? It appears.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः- 39.44 – 40.16

जिज्ञासुः- बाबा एक वार्तालाप में कहा है कि बाबा न भूत को देखता है, न वर्तमान को देखता है, वो बच्चों के भविष्य को देखता है। भविष्य माने क्या दैवी रुप देखते हैं?

बाबाः- क्या बनने वाले हैं वो देखेगा या अभी क्या हैं वो देखेगा? वो तो देखेगा कि ये अभी चाहे जो कुछ हैं, भाव स्वभाव संस्कार कैसा भी है, लेकिन आखिरीन क्या होगा? आखिरीन भाव स्वभाव संस्कार सारा चेंज हो जायेगा। ये तो देवता बनने वाला है।

Time: 39.44 – 40.16
Student: Baba it has been said in a discussion that Baba neither sees the past nor the present. He sees the future of the children. So, 'the future' means, does He see the divine form?
Baba: Will He see what they are going to become or will he see what they are now? He will see that whatever they may be at present, whatever their nature or *sanskar* may be at present, what will happen ultimately? Ultimately the nature and *sanskar* will *change* entirely. [He will think:] This one is going to become a deity.

समयः- 40.17 – 41-10

जिज्ञासुः- बाबा भीष्म पितामह के जो पिता हैं शान्तनु राजा।

बाबाः- शान्तनु। हाँ, जी।

जिज्ञासुः- गंगा से और शान्तनु राजा से जो भी संतति पैदा होती है वो जो पानी में बहा देती है तो वो कौन है और बाद में वो कौन बनते हैं?

बाबाः- जो सात नारायण हैं उनकी ही कथा कहाँनी भागवत में दिखाई गई है। सात नारायण हैं वही ऐसे हैं जिनको श्राप मिला था। जैसे देवी देवता सनातन धर्म में दिखाया गया है कि एक कृष्ण बच्चा बचा और बाकी सात को कंस ने कोस लिया। ऐसे ही यहाँ सन्यास धर्म में भी उन्होंने दिखाया है। एक भीष्म पितामह बचे, और बाकी सात खेल खलास हो गया।

Time: 40.17 – 41-10
Student: Baba, Bhishma Pitamah's father, King Shantanu.
Baba: Shantanu? Yes.
Student: The offspring who are born from Ganga and King Shantanu and are made to flow in water [by Ganga], who are they and what do they become later on?
Baba: The story of the seven Narayans itself is shown in the Bhagwat. The seven Narayans themselves are the ones who were cursed. Just as it has been shown in the Ancient Deity Religion that the child Krishna was saved and the remaining seven [children] were killed by Kansa. Similarly, they have shown it in the *sanyas* religion too. Just Bhishma Pitamah was saved and the remaining seven perished.

समयः- 41.14 – 42.40

जिज्ञासुः- बाबा एडवान्स पार्टी में जो निश्चय बुद्धि बच्चे हैं, वो योग तपस्या के लिए मधुबन जायेंगे तो वो सन् कौनसा होगा? वो इयर, साल कौनसा होगा?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- माने... जब प्रत्यक्षता होगी। बाप की प्रत्यक्षता होगी या नहीं होगी?

जिज्ञासुः- 2018 में होगी ना।

बाबाः- अभी प्रत्यक्षता नहीं हो रही है? (जिज्ञासु: हो रही है।) हाँ, तो जा भी रहे हैं। घर मकान भी खरीद रहे हैं, वहाँ रह भी रहे हैं। कोई अपना बैग एण्ड बैगेज पहले ही समेट लेंगे, या बाद में समेटेंगे? कोई तो पहले ही समेटेंगे। "कल करे सो आज कर आज करे सो अब।" पता नहीं पल में क्या हो जाय?

जिज्ञासुः- बाबा हम लोग भी जा सकते हैं माउण्ट आबू?

बाबाः- किसी ने मना किया क्या? किसी ने मना किया क्या? मना कर दिया? (जिज्ञासु: नहीं।) फिर? स्वतंत्र बनने वाली बात है। आत्मा स्वतंत्र है, या बाँधेली है? (जिज्ञासु: स्वतंत्र है।) आत्मा तो स्वतंत्र है।

Time: 41.14 – 42.40

Student: Baba, the children in the advance party who have a faithful intellect will go to Madhuban for *yoga, tapasya*; in which year will that happen? Which year will it be?

Baba: Does it mean… when [the Father's] revelation takes place; will the Father's revelation take place or not?

Student: It will take place in 2018, will it not?

Baba: Isn't the revelation taking place now? (Student: It is taking place.) Yes, so they are going [to Madhuban] as well. They are purchasing houses as well as they are living there. Will [there be] some who pack their *bag* and *baggage* before time or will they pack it later on? Some will pack it before time. *Kaal kare so aaj kar, aaj kare so ab* (Let's do today what we have to do tomorrow [and] let's do now what we have to do today); who knows what may happen the next moment?

Student: Baba, can we also go to Mount Abu?

Baba: Has anyone stopped you? Has anyone stopped you? Did anyone stop you? (Student: No.) Then? It is about becoming free. Is a soul free or is it in bondage? (Student: It is free.) The soul is free.

समयः- 42.44 – 44.08

जिज्ञासुः- बाबा, बाप कहते कि मैं प्रजापिता ब्रह्मा के अंत के भी अंतिम 84 जन्म में आता हूँ।

बाबाः- 84 वें जन्म में आता हूँ ऐसा तो नहीं कहा।

जिज्ञासुः- 84 जन्म के अंत के भी अंत में आता हूँ।

बाबाः- 84 जन्मों का अंत हुआ 36 में, और उसमें जो 84 वां जन्म है, किसका ? नाम क्या है उसका? प्रजापिता ब्रह्मा। तो वो संपूर्ण है? प्रजापिता ब्रह्मा सौ साल का पूरा होता है या अधूरी आयु में चला जाता है?

जिज्ञासुः- पूरी आयु नहीं...

बाबा: हाँ।

जिज्ञासुः- तो फिर दूसरा शरीर लेने के बाद...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- तो अधूरी आयु में चला जाता है तो फिर दूसरा शरीर लेना पडे। दूसरा शरीर जब लेता है तो वो आयु उसमें एड हो जाती है। क्या? वो 60 साल की वानप्रस्थी आयु...

जिज्ञासुः- उसको भी हम 84 वां जन्म कहेंगे बाबा?

बाबाः- 84 वां जन्म ही कहेंगे। वो 84 जन्म भी है, एक्सट्रा आर्डिनरी जन्म भी है, और नई दुनियां का जन्म भी है। नई दुनियां में जाकर के जनम क्या कोई माँ-बाप से मिलेगा? अरे, जो नर से नारायण बनने वाली आत्मा है उसका नई दुनियां में जाकर किसी माँ-बाप से जन्म मिलेगा क्या? नहीं। कोई 85 वां बाप होगा क्या? होगा? नहीं होगा।

Time: 42.44 – 44.08
Student: Baba, the Father says, I come in the end of the last 84th birth of Prajapita Brahma.
Baba: It has not been said that I come in the 84th birth.
Student: I come in the end of the last birth of the 84 births.
Baba: The end of the 84 births is in [19]36 and the 84th birth from those births... What is his name? Prajapita Brahma. So, is it [the 84th birth] complete? Is Prajapita Brahma complete with hundred years [in 1936] or does he depart without completing his age?
Student: Without completing his age...
Baba: Yes.
Student: So, after taking another birth...
Baba: So, since he departs with an incomplete age, he will have to take on another body. When he takes on another body, that age (age in the previous birth) is added to it. What? That *vaanprasth* age[11] of 60 years...
Student: Baba, will we call that also as 84th birth?
Baba: It will be called 84th birth only. It is the 84th birth as well as an *extraordinary* birth and birth in the new world too. Will he be born from any parents after going to the new world? *Arey*, the soul which becomes Narayan from a man be from any parents after going in the new world? No. Will he have any 85th father? Will he? He will not… (to be continued.)

Part-6

समयः- 44.12 – 48.38

जिज्ञासुः- बाबा जी रावण तो राक्षस कुल का था, उसकी मम्मी भी। तो रावण की मम्मी ने जब शरीर छोडते वक्त बोला कि शिव ज्योति का दर्शन करादो...

बाबाः- खूब टी.वी. देखते हो। ☺ देखो3 हाँ, बोलो।

जिज्ञासुः- शिव ज्योति का दर्शन करादो एसे बोला। जब शिव ज्योति का दर्शन किया तभी शरीर छोडा।

बाबाः- हाँ, किसने शरीर छोडा?

जिज्ञासुः- रावण के माँ ने।

बाबाः- हाँ तो?

जिज्ञासुः- इसका मतलब क्या है बाबा? वो तो राक्षस कुल की थी ना।

[11] Age of retirement

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- शिव की ज्योति अगर... ज्योति माना क्या है? शिव की ज्योति माना क्या?
जिज्ञासुः ज्योति बिंदु।
बाबा: ज्योति बिंदु? शिव की ज्योति माने ज्ञान। ज्ञान की ज्योति। और ज्ञान में भी मुख्य पाइंट क्या है? ज्ञान में भी मुख्य पाइंट कौनसा है? अरे, ये क्या बात? आत्मा की पहचान? (जिज्ञासुः मै आत्मा हूँ।) नहीं। ये मुख्य पाइंट नहीं है। पहला पाइंट है ये। मुख्य पाइंट कौनसा है? बाप की पहचान। अगर बाप की पहचान नहीं हुई और सारा एडवान्स नालेज ले लिया तो समझो कुछ भी नहीं लिया।

Time: 44.12 – 48.38
Student: Baba*ji*, Ravan and his mother belonged to the demonic clan. When Ravan's mother was about to die, she said that she wants to have the glimpse of Shiva's light (*Shivjyoti*)...
Baba: You watch the TV a lot. ☺ Watch it -3. Yes, speak up.
Student: [She said:] let me have the glimpse of Shiva's light. When she had the glimpse of Shiva's light, she left her body.
Baba: Yes, who left the body?
Student: Ravan's mother.
Baba: Yes, so?
Student: Baba, what does it mean? She belonged to the demonic clan, didn't she?
Baba: Shiva's light (*jyoti*)... What is meant by *jyoti*? What is meant by Shiva's *jyoti*?
Student: The point of light.
Baba: Point of light? Shiva's light means knowledge. The light of knowledge. And what is the main *point* even in the knowledge? Even in knowledge, what is the main *point*? *Arey*, what is this? Is it the recognition of the soul? (Student: I am a soul.) No. This is not the main point. This is the first *point*. What is the main *point*? The recognition of the Father. If you have not recognized the Father and took the entire advance knowledge, then think that you have not obtained anything.

देवताओं की अम्मा दिति कि अदिति? अदिति है देवताओं की अम्मा जो अद्वैत रहते हैं, जिनका एक धर्म है, एक कुल है, एक भाषा है, एक मत है, उन अद्वैत देवताओं की अम्मा है अदिति। और दिति है दैत्यों की अम्मा। दिति का अर्थ होता है खण्डित, और अदिति का अर्थ होता है अखण्ड। जिसने जीवन भर ब्रह्मचर्य का पालन किया। उसका नाम क्या पडा? अदिति। और जिसका जीवन खण्डित हो गया, आसुरी सम्प्रदाय हावी हो गये, रावण चुराय ले गया, वो हो गई दिति।

Was the mother of deities Diti or Aditi? Aditi is the mother of deities. Those who remain *advait* (non-dualistic), who belong to one religion, one clan and have one language, one opinion; the mother of those *advait* deities is Aditi. And Diti is the mother of demons. Diti means ruined (*khandit*) and Aditi means undivided (*akhand*). What was the one who followed *Brahmacharya* (celibacy) throughout the life named? Aditi. And the one whose life was ruined, the one who was dominated by the demonic community, the one who was abducted by Ravan became Diti.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

तो कहेंगे कि बुद्धि में ज्ञान बैठा? बुद्धि में ज्ञान बैठा कि नहीं बैठा? नहीं बैठा। जब ज्ञान बैठे, वो ज्ञान की ज्योति जगे, तब ही आत्मा का निस्तार हो सकता है। नहीं तो नहीं हो सकता। इसलिए कहते हैं कि पृथ्वी अपनी धुरी चेंज करती है। क्या? ये पृथ्वी बैल के सींगों के ऊपर खडी हुई है। दो सींग हैं - लेफ्ट और राइट। राइट सींग सतयुग त्रेता में होगा जहाँ बैठी होगी पृथ्वी। और अभी? अभी लेफ्ट सींग पर बैठी हुई है। असुरों का असर जास्ती हो रहा है उस माता के ऊपर। और देव गणों का प्रभाव कम हो रहा है। आखिरीन वो पृथ्वी माता अपनी धुरी चेंज करेगी। जब दैत्यों से अति का दुःख मिलेगा। तो दिखाते है कि बैल ने यूँ सर किया। किसने? बैल ने। बैल नाम क्यों रखा गया? बैल है कौन? ब्रह्मा की सोल बैल है। उसकी बुद्धि में जब बैठे कि गीता का भगवान कौन है तब वो अपना सींग चेंज करेगा। सींग पर पृथ्वी का बोझ धारण करते-2... वो माता परेशान हो जाती है तो चेंज कर देती है।

So, will it be said that the knowledge sat in the intellect? Did the knowledge sit in the intellect or not? It did not sit. When the knowledge sits, when that light of knowledge ignites, only then can the soul attain salvation otherwise it cannot. This is why it is said that the Earth changes its axis. What? This Earth is standing on the horns of the ox[12]. There are two horns *left* and *right*. The Earth will be sitting on the *right* horn in the Golden and Silver Ages. And what about now? Now it is sitting on the *left* horn. There is more influence of demons on that mother. And the influence of deities is decreasing. Ultimately, that mother Earth will *change* its axis when she gets immense sorrow from the demons. So, it is shown that the ox shook its head like this (Baba is showing by shaking the head sideways); who? The ox. Why is it given the name ox (*bail*)? Who is the ox? The soul of Brahma is ox. When it sits in its intellect that who the God of Gita is, then it will change its horn. Because of carrying the burden of the earth on the horns…When that mother becomes troubled, she changes it [the axis].

समयः- 48.42 – 49.46

जिज्ञासुः- बाबा जब कहते हैं कि इस ज्ञान में झगडे टंटे की कोई बात नहीं है जबकि बच्चे थोडी2 बात जो ड्रामा में होती है कोई को देख आपस में लडते, झगडते रहते हैं...

बाबाः- उनको बच्चे कहते हैं आप? जो बच्चे आपस में लडते, झगडते रहते हैं वो बच्चे हैं? वो निर्धनके हैं या धनी के हैं? वो तो निर्धनके हैं। किसको तुम बच्चा समझ लेते हो? अभी नहीं कहना। शिवबाबा के बच्चे पाण्डव होते हैं। पाण्डव आपस में कभी झगडते और लडते नहीं हैं। जो आपस में लड झगड के खलास हो जाने वाले वो कौरव और यादव सम्प्रदाय हैं, राक्षस सम्प्रदाय। हमारी तो किसी से लडाई नहीं है। आत्मा-2 भाई-2. वो मुख से बोलते हैं - हम हैं आत्मा तुम हो आत्मा आपस में भाई-भाई तो प्रैक्टिकल कर्म दूसरा हो जाता है।

Time: 48.42 – 49.46

Student: Baba, it said that there is nothing to quarrel in this knowledge but children keep fighting and quarrelling with each other on seeing the small things that happen in the drama...

[12]but Baba means bull here, the ones that are not used for domestic purposes but those who are let free

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Do you call them children? Are they children who keep fighting and quarrelling with each other? Do they have parents or are they orphans? They are orphans. Whom do you consider to be the children? Do not say that from now on. Shivbaba's children are Pandavas. Pandavas never fight with each other. Those who fight with each other and perish are the ones belonging to the Kaurav and Yadava community, demonic community. We don't have any dispute with anyone. We souls are brothers [amongst each other]; they just say through their mouth: I am a soul, you are a soul, we all are brothers amongst each other but their actions in practice are different.

समयः- 49.52 – 51.05

जिज्ञासुः- बाबा, ब्रह्मा में जब शिव की प्रवेशता हुई तो ब्रह्मा को ये विश्वास था कि मुझमें शिव की प्रवेशता है। तो कहते भी थे बाबा कि एक लोटी जल चढा रहा हूँ और खाना खाते समय भी कि बाप को एक गिट्टी खिला रहा हूँ। तो ऐसे ही प्रजापिता में जो सुप्रीम सोल आया है प्रजापिता को शिवोहम न कहे लेकिन ये विश्वास है कि बाबा कि मुझमें सुप्रीम सोल की प्रवेशता है?

बाबाः- एक होता है भावना के आधार पर समझ लेना और एक होता है ज्ञान के आधार पर समझ लेना। दोनों बातों में अंतर है या नहीं है? भावना है हृदय की चीज़, दिल की चीज़, और ज्ञान बुद्धि की चीज़ है। बुद्धिमान बाप शिव के बच्चे बुद्धिमान होंगे या भावना वाले होंगे? बुद्धिमान बाप के बच्चे भी बुद्धिमान होंगे। वो एक2 बात को ज्ञान से समझेंगे। भावना के आधार पर नहीं कि मेरे अंदर शिवबाबा प्रवेश करता है। ये तो बोलने की भी दरकार नहीं है। जो बोलते हैं कि मेरे अंदर शिवबाबा है वो क्या हैं? हिरण्य कश्यप हैं।

Time: 49.52 – 51.05

Student: Baba, when Shiva entered Brahma, he had faith that Shiva has entered me. So Baba, he even said, 'I am pouring a *loti*[13] of water [on Baba]', and while taking meals too, he used to think, 'I am offering a morsel (*gitti*) to the Father'. Similarly, the Supreme Soul who has come in Prajapita; Prajapita does not say *Shivoham* (I am Shiv), but does he have the faith that the Supreme Soul has entered him?

Baba: One is to understand on the basis of feelings and one is to understand on the basis of knowledge. Is there a difference between both topics or not? Feelings are related to the heart and knowledge is related to the intellect. Will the children of the intelligent Father Shiva be intelligent or will they have just feelings? The children of the intelligent Father will also be intelligent. They will understand each topic on the basis of knowledge. They will not act on the basis of feelings [thinking:] Shivbaba enters in me. There is not even the need say this. Those who say, 'Shivbaba is in me', who are they? They are Hiranyakashyap[14].

समयः- 51.15 – 52.15

जिज्ञासुः- बाबा जी जो मुसलमान होते हैं वो तो गय्या को काटते हैं, बकरी, ये, वो खाते हैं फिर बाबा?

[13] A small round pot of brass or earthenware

[14] A demon in Hindu mythology who called himself God

बाबाः- अभी ब्राह्मणों की दुनियां में गय्याओं को नहीं काट रहे हैं मुसलमान? काट रहे कि नहीं?

जिज्ञासुः- वो बेहद में है ना बाबा।

बाबाः- अरे तुम हद में रहते हो कि बेहद में? तुम्हारी बुद्धि हद में रहती है या बेहद में?

जिज्ञासुः- बेहद में है बाबा।

बाबाः- तो बेहद में ही रहो। अभी भी ब्राह्मणों की दुनियां में जो मुसलमान हैं वो गय्यों को काटते रहते हैं। काट-काट के उनका मांस खाते रहते हैं। मांस खायेंगे सरेण्डर भी कर देंगे फिर उसके बाद उन गय्यों को उनकी याद आती है। बाबा को पोतामेल लिख लिख कर भेजती हैं कि इन्होंने हमारे साथ ऐसे2 किया। बाबा इनकी याद कैसे छूटे? तो मार के खाया कि नहीं खाया?

Time: 51.15 – 52.15
Student: Baba*ji*, the Muslims kill cows, goats, etc. and eat them.
Baba: Aren't the Muslims in the world of Brahmins cutting cows now? Are they cutting them or not?
Student: Baba, that is in the unlimited, isn't it?
Baba: Do you live in the limited [world] or in the unlimited? Does your intellect stay in the limited or in the unlimited?
Student: Baba, it is in the unlimited.
Baba: Then, live only in the unlimited. Even now in the world of Brahmins, those who are Muslims keep slaughtering (i.e. killing) cows. They slaughter them and eat their meat. They eat their meat and they *surrender* them (the cows) as well. Then those cows remember them [the killers]. They (the cows) write *potamail* to Baba, 'this one did like this with me. Baba how should I forget them?' So, did they kill them and eat them or not?

समयः- 52.20 - 53.12

जिज्ञासुः- बाबा सीढी के चित्र में राम वाली आत्मा को काँटों की शैय्या में लेटा हुआ बताया। राम वाली आत्मा विदेशियों से भीख माँगती है । तो उसमें तो शिवबाबा प्रवेश होता है।

बाबाः- तो क्या हुआ? प्रवेश होता है।

जिज्ञासुः शिवबाबा उसके द्वारा कार्य करता है ना?

बाबाः हाँ। शिवबाबा को विदेशी पहले पहचानते हैं, या स्वदेशी पहचानते हैं? (जिज्ञासुः विदेशी।)

जिज्ञासुः- भीख क्यों माँगना पडता है?

बाबाः- भीख क्यों माँगना पडता है? पूर्व जन्म के हिसाब किताब नहीं होते हैं? वो हद की भीख माँगती है, या बेहद की भीख माँगती है? बेहद की भीख है। "तेरे द्वार खडा भगवान, भगत भरदे रे झोली।"

Time: 52.20 - 53.12
Student: Baba, in the picture of the ladder, the soul of Ram has been shown lying on the bed of thorns. The soul of Ram seeks alms from the foreigners. And, Shivbaba enters him...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: So what? He enters him.
Student: Shivbaba works through him, doesn't he?
Baba: Yes. Do the foreigners recognize Shivbaba first or do the *swadeshis*[15] recognize first? (Students: Foreigners.)
Student: Why does he need to beg?
Baba: Why does he need to beg? Are there not the karmic accounts of the previous births? Does it seek alms in the limited sense or in the unlimited? It is alms in the unlimited. [There is a song:] "*Tere dwaar kharaa bhagwaan, bhagat bhar de re jholi'* (God is standing at your door; O devotee, fill up his *jholi*[16])… (to be continued.)

Part-7

समयः- 53.16 – 53.42

जिज्ञासुः- कोई अंधे और अपाहिज होते हैं बाबा, उनको अपाहिज का जन्म मिलता है, तो वो किस आधार पर होते हैं?

बाबाः- विकर्म करते हैं उन कर्मेन्द्रियों से। ज्ञानेन्द्रियों से विकर्म करेगा तो ज्ञानेन्द्रिय डिफेक्टेड बनेगी, या नान डिफेक्टेड बनेगी? हँ? डिफेक्ट आना चाहिए कि नहीं? नहीं आना चाहिए? आना चाहिए।

Time: 53.16 – 53.42
Student: Baba, some people are blind and handicapped. They are born as physically disabled people. On what basis are they like that?
Baba: They perform sins through those *karmendriya*[17]. If someone commits sins through the *gyanendriya*[18], then will the *gyanendriya* become defected or will they be without any defect? *Arey*, should they have *defect* or not? Should they not? They should.

समयः- 53.48 – 54.45

जिज्ञासुः- बाबा पाकिस्तान और भारत के बँटवारे के समय जो ट्रेन छूटी थी, तो वैसी स्थूल ट्रेन विनाश के समय छूटेगी माउण्ट आबू के लिए या संकल्पों की ट्रेन छूटेगी?

बाबाः- जो हद में होता है वो बेहद में भी होता है। जो बेहद में होता है वो हद में भी होता है। ऐसे नहीं कि संकल्पों की छूटेगी और हम संकल्पों की ट्रेन में बैठ जायेंगे। नहीं। ट्रंकाल आयेगा। उस ट्रंकाल को जो बाबा के बच्चे होंगे वो कैच करेंगे। जिनका बुद्धि योग सेटिल हुआ पडा होगा। जिनकी बुद्धि दुनियादारी में लगी पडी है वो ट्रंकाल को कैच नहीं कर सकेंगे। इसलिए वो ट्रेन छूट जायेगी।

[15] Native to India;
[16] A bag; the loose portion of a garment (held out to receive something)
[17] Organs used to perform actions
[18] Lit. organs of knowledge, meaning sense organs

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 53.48 -54.45
Student: Baba, just like a train left at the time of partition of [India into] Pakistan and India, will such physical train leave for Mount Abu at the time of destruction or will the train of thoughts leave [for it]?
Baba: Whatever happens in the limited happens in the unlimited as well. Whatever happens in the unlimited sense happens in the limited too. It is not that the *train* of thoughts will leave and we will sit in the *train* of thoughts. No. You will get a *trunk call*[19]. Baba's children whose connection of the intellect is already settles [with the Father], will *catch* [the signal of] that *trunk call*. Those, whose intellect is busy in the worldly affairs, will not be able to get the trunk call. This is why they will miss that *train*.

समयः- 54.48 -55.52
जिज्ञासुः- बाबा।
बाबाः- हाँ।
जिज्ञासुः- बेहद में मल्लिकार्जुन का अर्थ क्या है?
बाबाः- ये क्या होता है?
दूसरा जिज्ञासुः- एक ज्योतिर्लिंगम है बाबा मल्लिकार्जुन, उज्जैन का है कि कहाँ का है। उसके बारे में पूछ रहे हैं।
बाबाः- मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंगम? (जिज्ञासु: हां।) शिव का जन्म दिखाया है। 12 जन्म हैं, 12 ज्योतिर्लिंगम। उनमें एक मल्लिकार्जुन भी दिखा दिया है।
जिज्ञासुः- इसका अर्थ?
बाबाः- मल्लिका किसे कहते हैं?
दूसरा जिज्ञासुः- महारानी को बाबा?
बाबाः- नहीं। मल्लिका महारानी कहते हैं मुसलमानों की भाषा में। लेकिन हिंदुओं की भाषा में जो मल्लिका शब्द है उसका अर्थ क्या है? जो पहला-2 बौर आता है, पहले-2 पत्ते आते हैं वो कितने अच्छे लगते हैं। उसको कहते हैं मल्लिका।

Time: 54.48 – 55.52
Student: Baba.
Baba: Yes.
Student: What is meant by Mallikarjun in the unlimited?
Baba: What is this?
Second student: There is a *Jyotirlingam* named Mallikarjun which is located at Ujjain or some other place. She is asking about that.
Baba: *Mallikarjun Jyotirlingam*? (Student: Yes.) The birth of Shiva is shown. 12 births [represent] 12 Jyotirlingams. Among them one has been shown as Mallikarjun.
Student: What is its meaning?
Baba: Who is called *Mallika*?
Second Student: A queen is called *Mallika*.

[19] By saying *trunkcall* Baba means telegram

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: No. *Mallika* is said for a queen in the language of the Muslims. But in the language of the Hindus, what is the meaning of the word *Mallika*? The first fresh leaves [of a tree], the first fresh leaves look so nice; that is called *mallika*.

समयः- 55.54 – 57.36

जिज्ञासुः- बाबा सीढी के चित्र में महिलाओं को बेआबरू करते हुए टोपी वाला जो बताया गया है वो कौन है?

बाबाः- टोपी वाला? वो कौनसी टोपी है उसके सर में?

जिज्ञासुः- मुसलमानों का।

बाबाः- मुसलमानी टोपी है? टोपी तो इन लोगों ने बना दिये। वास्तव में सर के नीचे रखी है गीता। क्या रखी है? जो पुराना सीढी का चित्र है उसमें रखी है गीता। उसकी बुद्धि में गीता का ज्ञान है।

जिज्ञासुः- नहीं। माताओं को बेआबरू करते हुए जो दिखाया है सीढी के चित्र में और टोपी पहनके जो...

बाबाः- माताओं को क्या करते हुये?

दूसरा जिज्ञासुः- बेआबरू करते हुए।

तीसरा जिज्ञासुः- बाबा वो चित्र है ना सीढी में माताओं का पल्लू पकडते हुये हाय शिवबाबा बचाओ।

बाबाः- अच्छा-2 दुर्योधन, दुःशासन बनने वाली बात?

तीसरा जिज्ञासुः- हाँ उसके बारे में पूछ रहे हैं।

बाबाः- हाँ, तो दुर्योधन, दुःशासन बनने वाली बात वो तो चित्र भी पूरे ड्रेस के साथ दिखा दिया।

जिज्ञासुः- हाँ जी। वो कौनसे धर्म की आत्मा है वो जानना था।

बाबाः- जो मुसलमान होते हैं वो एक स्त्री रखते हैं या अनेक स्त्रीयाँ रखते हैं?

जिज्ञासुः- अनेक स्त्रीयाँ रखते हैं।

बाबाः- हाँ तो वो बेआबरु करना नहीं हुआ? अनेक स्त्रीयों का शील हरण करना ये बेआबरू करना हुआ या नहीं हुआ?

जिज्ञासुः- बेआबरू करना हुआ।

बाबाः- हाँ। और वो भी जबर्दस्ती। खरीद2 के ले जाते हैं हिंदुस्तान से छल क्षिद्र कपट से।

Time: 55.54 – 57.36

Student: Baba in the picture of 'the ladder', the person with a cap who is shown dishonouring a women, who is he?

Baba: The person with a hat? Which hat is placed on his head?

Student: Of the Muslims.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Is it a Muslim cap? It is these people (Bks) who have shown the cap. Actually, the Gita has been placed beneath his head. What has been placed? In the old picture of the ladder the Gita has been placed [beneath his head]. There is the knowledge of Gita in his intellect.
Student: No. He is shown dishonouring mothers in the picture of 'the ladder' and is shown wearing a cap...
Baba: What is he doing with the mothers?
Second student: He is shown dishonouring [the women].
Third student: Baba, in the picture of 'the ladder', a person is shown holding the end panel (*pallav*) of the *saree* of mothers, who says, "O Shivbaba! Save me".
Baba: *Achcha, achcha*, is it about the topic of becoming Duryodhan and Dushasan[20]?
Third student: Yes he is asking about that.
Baba: Yes. So, as regards the topic of becoming Duryodhan and Dushasan, they have shown [the man in] the picture with complete *dress*.
Student: Yes. I wanted to know to which religion he belongs.
Baba: Do Muslims have one wife or many wives?
Students: They have many wives.
Baba: Yes. So, is it not like dishonouring someone? Is disrobing many women, just like dishonouring them or not?
Student: It is like dishonouring them.
Baba: Yes. Moreover, they do it forcibly. They purchase [women] from India through treachery, deceitfulness and fraud and take away with them.

समयः- 57.40 – 58.34

जिज्ञासुः- कर्ण ने कवच कुण्डल दिये थे बाबा। कवच कुण्डल माना क्या है?

बाबाः- सुरक्षा। उनको सुरक्षा मिली हुई थी। योग का कवच मिला हुआ था। कोई ने माँगा तो वो योग का कवच भी दे दिया। कानों का जो आभूषण है अच्छी बात सुनना, बुरा मत सुनो, बुरा मत बोलो। वो भी उन्होंने दे दिया। आखरीन धर्मराज का पार्ट बजाता है। तो बुराई भी सुननी पडे कि नहीं सुननी पडे?

जिज्ञासुः- ब्रह्मा बाबा भी...

बाबा: और क्या? जब धर्मराज का पार्ट है तो विकराल पार्ट होगा या नहीं होगा? सौम्य पार्ट ही चलता रहेगा?

Time: 57.40 -58.34
Student: Baba, Karna[21] gave his *kavach* (armour) and *kundal* (ear rings); what is meant by *kavach* and *kundal*?
Baba: Protection. He had received protection. He had received the *kavach* (armour) of *yoga.* Someone asked for it so, he gave his armour of *yoga* as well. The ornament of the ears – to hear good things; hear no evil, speak no evil - he gave away that as well. Ultimately he plays the *part* of Dharmaraj (the Chief Justice). So, will he have to listen to evil or not?
Student: Brahma Baba also...
Baba: What else? When he plays the *part* of Dharmaraj, will it be a ferocious role or not? Will the soft *part* continue [till the end]?

[20] Duryodhan and Dushaasan: villainous characters in the epic Mahabharata
[21] A character in the epic Mahabharata

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः- 58.38 – 59.11

जिज्ञासुः- बाबा भक्ति मार्ग में विट्ठल2 कहते हैं...

बाबाः- ये क्या बोल दिया?

दूसरा जिज्ञासुः- भक्ति मार्ग में विट्ठल-2 कहते हैं, विट्ठोबा भी कहते हैं।

बाबाः- विट्ठल2 कहते हैं।

जिज्ञासु: विट्ठोबा भी कहते हैं।

बाबा: हाँ। विट्ठूभा भी। विट्ठल होगा तो विट्ठूभाभी भी होगी। विट्ठल कोई दूसरा थोडेही है?

जिज्ञासु: विट्ठोबा मतलब?

बाबा: हाँ तो?

जिज्ञासुः- विट्ठल2 भी कहते हैं ना?

बाबाः- तो क्या हुआ? भगवान का नाम रख दिया है विट्ठल।

जिज्ञासुः- विट्ठूभाभी नहीं, विट्ठोबा बोलते है।

बाबाः- चलो कुछ भी बोलो। ☺

Time: 58. 38 – 59.11
Student: Baba, in the path of *bhakti*, people say, *'Vitthal, Vitthal'*...
Baba: What did he say?
Second student: In the path of *bhakti*, people say '*Vitthal, Vitthal'*; they also say '*Vithoba*'.
Baba: They say '*Vitthal, Vitthal'*?
Student: They say '*Vithoba'* as well.
Baba: Yes. [He is called] '*Vithubhabhi*' too. If there is *Vitthal*, then there will be *Vitthubhabhi* as well. *Vitthal* is not someone else.
Student: What does '*Vithoba*' mean?
Baba: Yes, so what?
Student: They say '*Vitthal, Vitthal'* as well, don't they?
Baba: So what? They have [just] named God as *Vitthal*.
Student: They say *Vithoba*, not *Vittubhabhi*.
Baba: Alright, you may say anything. ☺ ... (to be continued.)

Part-8

समयः- 59.12 – 1.00.02

जिज्ञासुः- बाबा अगर कोई विकर्म करता है तो उससे माफी माँग लेता है फट से और कोई करता भी है फिर भी माफी नहीं माँगता तो सूर्य वंश में कौनसा आता है और चन्द्रवंशी में कौनसा आता है?

बाबाः- जो विकर्म करता ही रहता है और बताता भी नहीं है माफी भी नहीं माँगता है तो उसका ज्यादा पाप कर्म बनेगा, नीचे जायेगा, या जो बता देता है वो ज्यादा नीचे जायेगा?

जिज्ञासुः- जो नहीं बताता।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- वो नीचे जायेगा, कोई पद ही नहीं बनेगा। उसका सुधार होगा ही नहीं। "सच तो बिठो नच"

जिज्ञासुः- तो फिर बाबा ऐसे सूर्य वंश, चन्द्रवंश में नहीं आयेंगे ना?

बाबाः- अरे, अपना पोतामेल छुपाते रहेंगे वो सूर्यवंश, चन्द्रवंश में भी आ जावेंगे? (जिज्ञासु: नहीं।) फिर?

Time: 59.12 – 1.00.02
Student: Baba, if someone commits any sin and seeks pardon from him [Baba] immediately and if someone commits a sin and still does not seek pardon, then which one among them comes in the Sun dynasty and which one comes in the Moon dynasty?
Baba: The one who keeps committing sins, does not tell about it [to Baba] and does not seek pardon either, will he accumulate more sins, experience downfall or will the one who tells [about his sins to Baba] experience more downfall?
Student: The one who does not tell [about them to Baba].
Baba: That one will experience downfall; he will not achieve any post at all. He will not reform at all. The one who speaks the truth keeps dancing (*sacch to bittho nach*).
Student: So Baba, such people will not come in the Sun Dynasty, the Moon dynasty, will they?
Baba: *Arey*, the ones who keep on hiding their *potamail*, will they come in the Sun Dynasty and the Moon dynasty? (Student: No.) Then?

समयः- 1.00.06 – 01.01.28

जिज्ञासुः- बाबा रावण के दस सिरों में - पिछला एक क्लैरिफिकेशन थोडा क्लियर नहीं हुआ - रावण के दस सिर जो बताये वो पाँच पुरुष और पाँच स्त्री के बताये बाबा। तो पाँच पुरुष में स्त्री चोले वाली और पुरुष चोले वाली आत्मायें भी हो सकती है ?

बाबाः- क्यों नहीं हो सकती?

जिज्ञासुः- हाँ। दूसरी बात प्रकृति के पाँच तत्व बोला है, तो उसमें, आधार में से वो जो सहयोगी आत्मायें है तत्व वाली हैं या बीजों में से हैं बाबा? क्योंकि प्रकृति जगदम्बा तो बीजरूप आत्मा है।

बाबाः- ज्यादा ताकत बीज में होती है या ज्यादा ताकत जडों में होती है? (सबने कहा: बीजों में।) बीज में ज्यादा ताकत है। बीज को बाप कहा जाता है। जो जड है वो किसको फॉलो करेगी? बीज को फॉलो करेगी ना। तो बीज रुप आत्माओं की ही बात है।

Time: 1.00.06 – 01.01.28
Student: Baba, among the ten heads of Ravan - the earlier *clarification* [about ten heads] was not *clear* - the ten heads of Ravan have been described as five male heads and five female heads. So, among the five male heads, could there be souls with female body as well as souls with male body?
Baba: Why can't they be?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Yes. Another thing is, it is said that there are five elements of nature, so Baba, are the helper souls representing those elements from the root souls or are they from the seeds? It is because the nature Jagdamba is a seed form soul.
Baba: Is there more power in the seed or is there more power in the roots? (Everyone said: In the seeds.) There is more power in the seed. The seed is called the father. Whom will the root *follow*? It will *follow* the seed, will it not? So, it is about the seed form souls.

जिज्ञासुः- ये स्त्री चोला वाले के लिए बोला ना। पाँच स्त्री बोल ना।
बाबाः- उस बीज में स्त्री चोले भी है। रुद्रमाला के मणकों में स्त्री चोले नहीं है? मंदोदरी का पार्ट बजाने वाले नहीं है? मंद है उदर जिनका। इतना मंद है कि बाप को पहचान ही नहीं पाती छोड के चली जाती है। तो मंदोदरी कहेंग या श्रेष्ठ उदरी कहेंगे? मंदोदरी है।
जिज्ञासुः- तो ये तत्व जो हैं बाबा पाँच तत्वों की बात जो बोले, तो पाँच तत्व सहयोगी आत्मायें है जगदम्बा की प्रकृति की?
बाबाः- हाँ जी। उनमें खुद उसका पहला नम्बर है पृथ्वी।

Student: It was said about the souls with female body, was it not? It has been said that there are five females.
Baba: Among those seeds there are souls with female body as well. Are there not [souls with] a female body in the beads of *Rudramala* (the rosary of Rudra)? Are there not souls who play the *part* of Mandodari[22]? The ones whose stomach (*udar*) is weak (*mand*). It is so weak that they are unable to recognize the Father at all; they leave him and go away. So, will they be called *Mandodari* or *Shreshth udari* (the one with an elevated stomach)? She is Mandodari.
Student: So Baba, are these five elements the helper souls of Jagdamba, i.e. nature?
Baba: Yes. Among them, she herself is in the first *number*, [she is named] the Earth.

समयः- 01.01.28 – 01.02.20
जिज्ञासुः- बाबा त्रिमूर्ति के चित्र में ब्रह्मा को और शंकर को बैठे दिखाया गया है, और बाबा भी कहते हैं मेरा जो कार्य है शिव शक्तियाँ ही पूरा करती हैं। तो जब शंकर बैठते हैं तो वो माउण्ट आबू में जाकर बैठते हैं या कम्पिल मिनी मधुबन में जाकर बैठते हैं?
बाबाः- न माउण्ट आबू में बैठता है... जिसका नाम शंकर दिया हुआ है वो न माउण्ट आबू में बैठेगा, न कम्पिल में बैठेगा। सबसे ऊँची स्टेज में बैठेगा, या माउण्ट आबू, कम्पिल में बैठेगा? (जिज्ञासु: उंची स्टेज।) बुद्धि योग से कहाँ रहेगा? बुद्धि को ही आत्मा कहा जाता है। कहाँ रहेगा? सूक्ष्म वतन में रहेगा। माउण्ट आबू और कम्पिल ये साकार दुनियां के चीज़ हैं, स्थान हैं, या आकारी दुनियां के स्थान हैं? (सबने कहा: साकारी दुनिया।)

[22] Wife of Ravan in the epic Ramayana

Time: 01.01.28 – 01.02.20
Student: Baba, in the picture of *Trimurti*, Brahma and Shankar have been shown to be sitting and Baba also says that it is the *Shiv shaktis*[23] who accomplish His task. So, when Shankar sits, does he go to Mount Abu and sit or does he go and sit at Kampil Minimadhuban?
Baba: Neither he sits at Mount Abu... The one who is named Shankar, he will neither sit at Mount Abu nor will he sit at Kampil. Will he sit in the highest *stage* or at Mount Abu or Kampil? (Student: The highest stage.) Where will he stay through the connection of his intellect? The intellect itself is called the soul. Where will he stay? He will stay in the subtle world. Are Mount Abu and Kampil places of the physical world or of the subtle world? (Everyone said: Physical world.)

समयः- 01.02.22 - 01.04.46
जिज्ञासुः- बाबा हीरा खाने से मनुष्य मरता है बोलते हैं...
बाबाः- खाने से नहीं, चाटने से ही मर जाता है।
जिज्ञासुः- तो हद में कैसे उसका अर्थ बाबा?
बाबाः- हीरा हैं। हीरा कौन है? हीरो पार्टधारी को ही हीरा कहा जाता है। अब हीरा पार्टधारी में शिव आया हुआ है उसे याद करना है, उसे चाटना है या जो साकार शरीरधारी है उसे चाटना है? याद तो निराकार को करना है। लेकिन परमधाम में नहीं, कैलाश पर्वत पर नहीं वो साकार तन में याद करना है। लेकिन जैसे कि ब्रह्मा के फॉलोअर्स जिन्होंने ब्रह्मा की गोद को ही, देह को ही याद किया वो कुखवंशावली बन गये और जिन्होंने ब्रह्मा के मुख से निकली हुई महावाक्यों को याद किया, ज्ञान की बातों को याद किया वो एडवान्स पार्टी के भाती बन गये। तो अंतर पड जाता है। आत्मा को देखना है, आत्मा से चिपकना है या देह से चिपकना है? आत्मा से चिपकना है।

Time: 01.02.22 - 01.04.46
Student: Baba, it is said that human beings die if they eat a diamond...
Baba: Not on eating it but someone may die just by licking it.
Student: So Baba, what does it mean in the limited?
Baba: There is the diamond. Who is the diamond? The *hero* actor himself is called diamond (*heera*). Well, Shiva has come in that diamond [like] actor, should we remember Him [Shiva], should we lick Him or should we lick the corporeal body? It is the incorporeal one whom we have to remember but not in the Supreme Abode, not on Mount Kailash, but in that corporeal body. But just like the *followers* of Brahma, who remembered only the lap of Brahma, the body of Brahma became lap born progeny and those who remembered the versions that came from Brahma's mouth, those who remembered the versions of knowledge became members of the advance party. So, a difference arises. Should you see the soul, stick to the soul or to the body? You have to stick to the soul.

[23] Consorts of Shiva

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः- हद में कैसे बाबा?

बाबाः- हद में क्या?

जिज्ञासुः- माना हीरा तो पत्थर होता है ना।

बाबाः- हाँ2. ये पत्थर बुद्धि नहीं होता है? जो लिंग है और उसमें जो बिंदु है वो बिंदु किसकी यादगार है? शिव ज्योति बिंदु की यादगार बिंदु है। और जो लिंग है वो किसकी यादगार है? साकार प्रजापिता की यादगार है। तो जो प्रजापिता है वो आखिरी जन्म में पत्थर बुद्धि बनता है ना कोई बात में या नहीं बनता है? (सबने कहा: बनता है।) हाँ, कोई बात में पत्थर बुद्धि भी बनता है। वो पारस बुद्धि बन जायेगा और कृष्ण की सोल की बुद्धि में वो बातें आ जावेंगी जो गीता के भगवान से संबंधित है। तो क्या हो जायेगा? पूरा परिवर्तन हो जायेगा। बाप और बच्चे का जन्म इकट्ठा गाया हुआ है। बाप है राम बाप, और बच्चा है कृष्ण बच्चा। ये दोनों बापदादा है। तुम बच्चे बापदादा को अलग2 करेंगे, वो फिर एक हो जावेंगे।

Second student: Baba, how is it in the limited?
Baba: What in the limited?
Second student: I mean to say a diamond is indeed a stone, isn't it?
Baba: Yes, yes. Does this one not have a stone like intellect? Whose memorial is the point on the *ling*[24]? The point is a memorial of the Point of light Shiva. And whose memorial is the *ling*? It is the memorial of the corporeal Prajapita. So, does Prajapita become the one with a stone like intellect in the last birth regarding some topic or does he not? (Everyone said: He does.) Yes, he also becomes the one with a stone like intellect regarding some topic. He will become *paarasbuddhi*[25] and the topics related to God of Gita will come to the intellect of the *soul* of Krishna. Then, what will happen? Complete transformation will take place. The birth of the father and the child is praised to be together. The father is the father Ram and the child is the child Krishna. Both of them [together] are BapDada. You children will separate Bap and Dada and both will get together again. ... (to be continued.)

Part-9

समयः- 01.04.51 – 01.06.34

जिज्ञासुः- बाबा भगवान तो पुरुष तन में आता है। फिर इस देश का स्थूल नाम भारत माता क्यों है?

बाबाः- माताओं का उद्धार करने के लिए आता है तो माताओं को ऊपर उठाना पडे या अपने को ऊपर आके उठाके जैसे सन्यासी कह देते हैं शिवोहम हमारी पूजा करो। माताओं को ऊपर उठायेगा या अपने को ऊपर उठायेगा? माताओं को ऊपर उठाता है जो सबसे जास्ती गिरी हुई हैं।

जिज्ञासुः- सबसे सर्वश्रेष्ठ होने के कारण भारत देश का नाम भगवान का आना चाहिए .

[24] The symbolic representation of the male organ; in the path of bhakti it represents the incorporeal form of Shiva
[25] The one with a *paras* like intellect; *Paras* - a mythical stone believed to change anything to gold that touches it

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- भगवान का नाम आना चाहिए? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) राम वाली आत्मा पिता है कि माता है? पिता है। वो अपने आप सब कुछ कर सकता है? पावन बन जायेगा? माता का आधार न लें तो पावन बनेगा? (जिज्ञासुः आधार तो लेना पडेगा।) तो फिर? जिसका आधार लिया उसका मान नहीं देना है? नीचे गिरा देना है? (जिज्ञासुः नहीं।) अच्छा।

Time: 01.04.51 – 01.06.34
Student: Baba, God comes in a male body. Then why is this country's physical name *Bharat Mata* (Mother India)?
Baba: He comes to uplift the mothers so will He have to give a lift to the mothers or will He keep Himself high like *sanyasis* and say, "*Shivoham* (I am Shiva). Worship us"? Will He uplift the mothers or will He keep Himself high? He uplifts the mothers who have fallen down the most.
Student: Because of being elevated, the name of the country India should be based on God.
Baba: God's name should come? (Student said something.) Is the soul of Ram the father or the mother? He is the father. Can he do everything on his own? Will he become pure? Will he become pure if he does not take the support of the mother? (Student: He will have to take the support.) Then? Should he not give respect to the one whose support he has taken? Should he degrade them? (Student: No.) *Accha*.

जिज्ञासुः- बाबा भारत और माता में भारत तो बाप हो गया और माता भी सहयोगी बन गई, तो दोनों हो गये ना बाबा। भारत माता दोनों ही हो गई।
बाबाः-दोनों माता कैसे हो गये?
जिज्ञासुः- नहीं, भारत माना बाप हो गया, और माता उसके साथ।
बाबाः- वो समझने की बात है कि भारत माता है तो कोई विधवा नहीं है। जरुर कोई सधवा है। अपने भारत वर्ष में विधवा माताओं की पूजा नहीं होती है। किनकी पूजा होती है? सधवाओं की मान्यता होती है। तो ऐसे ही भारत माता जो है वो ज्यादा माननीय है। यत्र नार्यस्तु पूज्यंते जहाँ नारियों की पूजा होती है, माननीय रखा जाता है वो ही आगे बढ सकता है।

Student: Baba, in the words *Bharat* and *mata* (mother), *Bharat* is the father and *mata* is his helper; so Baba, both are included, aren't they? *Bharat* as well as *mata*, both are included.
Baba: How can both be mothers?
Student: No, *Bharat* means the father and the mother is with him.
Baba: That is something to understand, when we say *Bharat mata* (mother India), she is not a widow (*vidhwa*). She is definitely a married woman (*sadhwa*). In our country India widows are not worshipped. Who are worshipped? Married women are respected. Similarly, Mother India is more respectable. *Yatr nariyastu poojyante*... (meaning) [only the land] where women are worshipped and respected, can progress.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः- 01.06.36 – 01.07.40

जिज्ञासुः- बाबा विधर्मी इतने विकारी होते हैं कि दुनिया को नीचे गिराने के निमित्त बनते हैं। इसके बावजूद भी इनका ऐसा सौभाग्य है कि ये बाप के सन्मुख पढाई पढने का उन्हें सौभाग्य मिलता है।

बाबाः- फिर वर्सा लेते हैं?

जिज्ञासुः- वर्सा तो नहीं लेते हैं।

बाबाः- फिर? फायदा क्या हुआ? सारी पढाई पढी और वर्सा छूट गया विश्व की बादशाही का तो पढाई पढने से ही क्या फायदा और नजदीक बैठने से ही क्या फायदा?

जिज्ञासुः- पहचान तो लेते हैं ना बाबा।

बाबाः- अगर पहचान लें तो फिर बाद में छोडे ही क्यों? यज्ञ के आदि में, और एडवान्स पार्टी के आदि में जो भी कृष्ण के रथ के घोडे गाये जाते हैं उनमें जो विधर्मी तीन घोडे हैं वो पहले तो सहयोगी बनते हैं सबसे पहले और बाद में विरोधी बन जाते हैं। तो सद्गुरु निंदक बन जाते हैं या सद्गुरु की महिमा करने वाले बनते हैं? (सबने कहा निंदा करने वाले।) तो ठौर पावेंगे नज़दीक जन्म-जन्मांतर? जन्म-जन्मांतर ठौर कैसे पावेंगे? दूर रहेंगे। विदेशों में जाके जन्म लेंगे।

Time: 01.06.36 – 01.07.40

Student: Baba, the *vidharmis*[26] are so vicious that they become the reason for bringing the downfall of the world. In spite of that they are so fortunate that they get the fortune of studying face to face from the Father.

Baba: Then, do they obtain the inheritance?

Student: They do not obtain the inheritance.

Baba: Then? What is the use? If someone studies the entire knowledge and misses the inheritance of the emperorship of the world, then what is the use of studying the knowledge and sitting close [to the Father]?

Student: Baba, they do recognize [the Father], don't they?

Baba: If they recognize him, why would they leave him later? In the beginning of the *yagya* and in the beginning of the advance party, the souls who are praised as the horses of the chariot of Krishna, among them the three *vidharmi* horses become helpers at first in the beginning, and later they become opponents. So, do they become defamers of the *sadguru* or do they praise the *sadguru*? (Everyone said: Defamers.) So, will they find a place near him birth after birth? How can they find a place near to him birth after birth! They will stay far. They will be born in the foreign countries.

समयः- 01.07.45 - 01.10.32

जिज्ञासुः- बाबा जी अगर आखिरी वक्त जब हाहाकार मचेगा तो पैसे नहीं रहेगा अपने पास, तो कोई सोना वोना लेके गये तो चलेगा बाबा?

बाबाः- पैसा वैसा सोना वोना गाढ के रखो।☺

[26] *vi*=opposite, *dharm*=religion, those who have a religion opposite to the one of the Father

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः- गाढ के रखने के लिए बाबा है ही नहीं।
बाबाः- जब है ही नहीं तो फिर क्या। कोई बात ही नहीं। माता को चिंता बहुत हो रही है।☺
जिज्ञासुः- नहीं बाबा जी। माउण्ट आबू जायेंगे तो खाली हाथ ही जाना पडेगा ना।
बाबाः- अरे, माउण्ट आबू में जमीन खरीदने के लिए उनके लिए बोला है जिनके पास अकूत पैसा भरा पडा है। जिनके लिए एक समस्या है कि पैसा बैंकों में डालें, या कम्पनियों में डालें? या पैसे को जमीन में गाड के रखें, या घर में रखें। घर में रखेंगे तो चोर ले जायेंगे। जमीन में गाडके रखेंगे तो भूकम्प आयेगा तो पता नहीं कहाँ का कहाँ चला जायेगा। बैंकों में रखेंगे तो बैंकें भी फेल हो सकती हैं कभी भी, और भारत की अर्थ व्यवस्था बहुत गडबडा सकती है कभी भी। और कम्पनियाँ तो फेल हो ही रही हैं रोज़ की रोज़। तो कहाँ रखें, कहाँ ले जायें?

Time: 01.07.45 – 01.10.32
Student: Baba*ji*, when there will be uproar at the last time, there will not be money with us, so Baba, is it be ok if we take gold, etc. with us?
Baba: [Sarcastically:] You may bury the gold, money, etc.☺
Student: Baba, there is nothing to bury at all?
Baba: When you don't have it at all, why to worry about it? There nothing to worry about at all! Mother is feeling very worried.☺
Student: No Baba*ji*. When we go to Mount Abu, we will have to go empty handed, will we not?
Baba: *Arey*, as regards purchase of land at Mount Abu, it is said for those who have immense wealth, for those who have a problem regarding whether they should keep the money in the banks or in companies or whether they should bury the money in the Earth or keep it at home. If they keep it at home, thieves may steal it. If bury it in the earth, no one knows where it will go when an Earthquake occurs. If they keep it in the banks the banks also can *fail* at any time and the economy of India may become disturbed a lot at any time. And the companies are failing daily anyhow. So, where should they keep it, where should they take it?

दूसरा जिज्ञासुः- शिवबाबा के यज्ञ में।
बाबाः- माना यज्ञ में नहीं दे सकने की ताकत है, इतना ज्ञान पैदा बुद्धि में नहीं हुआ है तो क्या करें? यहाँ तो ज्ञानी आत्मायें तो गरीब हैं, या पैसे वाली हैं? गरीब हैं। कम से कम इतना तो कर सकते हैं कि बाबा ने मुरली में बोला है सारा माउण्ट आबू ही खरीद करना पडेगा। क्या? अंत में क्या होगा? सारा ही माउण्ट आबू खरीद करना पडेगा बच्चों के रहने के लिए। नहीं तो बच्चे कहाँ रहेंगे आकर? (किसी ने कहा: कलकत्ता में।) कलकत्ता में रहेंगे? (सबने कहा: माउण्ट आबू।) हाँ, एक माउण्ट आबू ही ऐसी जगह है जहाँ विनाश के टाइम पर अंत तक सुरक्षित स्थान बना रहेगा। बहुत गहरा ग्रेनाइट पत्थर का पहाड बना हुआ है। और दुनियां में चारों ओर भूकम्पों का असर होगा, माउण्ट आबू में असर नहीं होगा। तो उस समय वो जमीन की वैल्यू का लोगों को पता चलेगा।
जिज्ञासुः- बाहरी लोग भी बचेंगे बाबा? जो माउण्ट आबू में बाकी जो संख्या है...

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः- अरे, अभी ही वहाँ पानी नहीं मिल रहा है। अभी ही भाग रहे हैं। जो ब्रह्मा कुमार कुमारी हैं वो ही तलहटी में नीचे उतर आये तो औरों की बात क्या है? वो भी चाहते हैं यहाँ से उतर जायें।

Second student: In Shivbaba's *yagya*.
Baba: This means, if someone is not capable of giving it in the *yagya*, if they have not grasped knowledge to that extent, then what should they do? Here, are the knowledgeable souls poor or rich? They are poor. So, what they can do at the least is that ... Baba has said in the murli, 'you will have to purchase the entire Mount Abu'. What? What will happen in the end? You will have to purchase entire Mount Abu for the children to live. Otherwise, where will children come and live? (Someone said: In Calcutta.) Will they live in Calcutta? (Everyone said: Mount Abu.) Yes, Mount Abu is the only place which will remain safe till the end at the time of destruction. It is a mountain of *granite* [with] very deep [foundation]. There will be the effect of earthquakes everywhere, at all other places in the world, but Mount Abu will not be affected. So, at that time people will know the *value* of that land.
Student: Baba, will the outsiders also survive? The remaining people in Mount Abu...?
Baba: *Arey*, water is not available there now itself. They are running away [from there] now itself. The Brahmakumar - kumaris themselves have gone down to the *talheti* (low land beneath the mountain) [of Abu]; so what can we say about the others? They too want to go down from here (from the mountains).

समयः- 01.10.34 – 01.11.00

जिज्ञासुः- बाबा कभी2 ब्राह्मण बच्चों से वाचा कर्मणा से कोई गलती हो जाती है तो कोई कह देता है कि तुम्हारे शिवबाबा ने ऐसा ही बताया क्या? ये भी सद्गुरु निंदक ठौर न पावें हो जाता है क्या?

बाबाः- बिल्कुल। श्रीमत के बर्किलाफ उल्टा पुल्टा कर्म क्यों होने देना चाहिए? चलो टाइम हो गया।

दूसरा जिज्ञासुः- फिर बाबा उस समय तुरंत लिख कर दे देते तो?

बाबाः- तुरंत लिख कर दे दे तो वल्ला ही वल्ला।

Time: 01.10.34 – 01.11.00
Student: Baba, sometimes when Brahmin children commit mistakes through words or actions, and someone says, "Did your Shivbaba teach you this"? Is this also like bringing defamation of the *sadguru*?
Baba: Definitely. Why should you allow any action against the shrimat to be performed? Alright, *time* is over.
Second student: Then Baba, what if we give it in written [to Baba] immediately?
Baba: If you give it in written immediately, then it's very good. (Concluded)